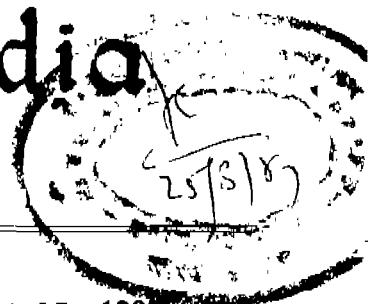


भारत का राजपत्र

The Gazette of India

शास्त्रिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. ७, नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी १४, १९८७ (माघ २५, १९०८)

No. 7) NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 14, 1987 (MAGHA 25, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और
भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली—110011, दिनांक 24 नवम्बर, 1986

सं. ए. 32014/1/86—प्रशा०—३—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय संचार के स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री पी० एस० राणा को जो विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद से प्रत्यावर्तित हो गये हैं, 4-11-1986 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, डेस्क अधिकारी का कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री पी० एस० राणा को, वित्त मंत्रालय (व्यवस्था), की अधिसूचना सं० फा० 15(i) आई० सी०/८६ दिनांक 13 सितम्बर, 1986 के अनुबन्ध के क्रमांक 5(i) के साथ पठित कार्यालय विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74—सी० एस०—१ दिनांक 11-12-1975 के अनुसार 150/- रु० प्रति माह की दर से विशेष बेतन दिया जायेगा।

श्रीमती नीतां कपूर,
उप सचिव (प्रशा०),
संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली—110003, दिनांक 22 जनवरी 1987

सं. ए—११/१८/७८—प्रवर्तन निदेशक एतद्वारा इस निदेशालय के प्रवर्तन अधिकारी श्री सुखा राम भूटेलिया, को इस निदेशालय के जालन्धर क्षेत्रीय कार्यालय में 30-12-1986 (पूर्वाह्न) से तदर्थे आधार पर 6 महीने के लिये स्थानापन्न मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ए—११/१९/७५—प्रवर्तन निदेशक एतद्वारा इस निदेशालय के प्रवर्तन अधिकारी श्री पी० एन० लक्ष्माला को इस निदेशालय के बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय में 2-1-1987 (पूर्वाह्न) से तदर्थे आधार पर 6 महीने के लिये स्थानापन्न मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

काली अरण,

मुख्य प्रवर्तन अधिकारी (प्रशासन)

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार
लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो,

नई दिल्ली-110003, दिनांक 22 जनवरी 1987

सं० ए०-19021/5/79-प्रशा०-5(खण्ड-3) — नागर विभाग मंत्रालय से प्रत्यावर्तन होने पर श्री द्वारका नाथ, पुलिस अधीक्षक, ने दिनांक 5 दिसम्बर, 1986 पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 18-12-1986 की समसंबंधक अधिसूचना में उपयुक्त प्राशय से संशोधन किया जाता है।

सं० बी०-6/74-प्रशा० 5—निदेशक, के० अ० ब्यूरो एवं पुलिस महा निरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली निम्नलिखित सहायक लोक अभियोजकोंकि० अ० ब्यूरो की नियुक्ति का कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, भारत सरकार की अधिसूचना सं० 213/1/79-ए० बी० डी०-2, दिनांक 4-8-80 द्वारा अधिसूचित नये भर्ती नियमों के अन्तर्गत, संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से, सहायक लोक अभियोजकों के० अ० ब्यूरो के पदोन्नत पदों पर नियमन करते हैं।

1. श्री डी० के० पाण्डे
2. श्री बी० छी० रैमा
3. वह एम० पी० सिंह

सं० ए० 20023/3/76-प्रशा० 5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा श्री जैष० एन० शेख, सेवा निवृत्त लोक अभियोजक को पुनर्नियुक्ति पर, अस्थाई रूप में दिनांक 29-12-1986 से दिनांक 31-5-1987 तक की अवधि के लिये के० अ० ब्यूरो, अहमदाबाद शास्त्रा में लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

धर्म पाल भल्ला,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 जनवरी 1987

सं० ओ० दो०-966/74-स्थापना-I—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के डाक्टर अणोक कुमार दास, जनरल ड्यूटी अफिसर ग्रेड-II द्वारा प्रस्तुत तकनीकी त्याग पत्र दिनांक 4 सितम्बर, 1980 (अपराह्न) अर्थात उनके उड़ीसा राज्यकीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संबंधी

में सहायक सर्जन के रूप में नियुक्ति के लिये बल से कार्य-मुक्ति किये जाने की तारीख से, स्वीकार कर लिया है।

एम० अणोक राज,
सहायक निदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1987

सं० ओ० दो०-4/87—प्रशासन-3—श्री मैथ्यू अब्राहाम, शुबेदार मेजर (कार्यालय अधीक्षक) ने अनुभाग अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर दिनांक 1-1-1987 (पूर्वाह्न) को महानिवेशालय, के० रि० पु० बल, नई दिल्ली में अपना कार्यभार संभाल लिया है।

ह० अपठनीय
उप निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय,

तिरुवनन्तपुरम-39, दिनांक 20 जनवरी, 1987

सं० प्रशासन/लेखा परीक्षा/9-1/307—निम्नलिखित कर्मचारियों को रूपये 2375-75-3200-ई० बी०/100-3500 के वेतनमान में उनके नाम के सामने लिखित तारीख से लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में, पदोन्नति देने के लिये महालेखा कार संतुष्ट हुए हैं। ये पदोन्नतियां सिविल विविध अर्जी संख्या 24851/84 पर केरल के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जो आदेश जारी किया जाये, उसके अध्यधीन अगले आदेश तक अस्थाई हैं।

क्र सं०	नाम	भार ग्रहण की तारीख
	श्री श्रीमती	
1. एम० रामचन्द्रन		18-10-1986
2. पी० एन० भास्करन नायर		3-12-1986
3. टी० जे० डेविड		3-12-1986
4. एन० पी० गोपालकृष्णन		3-12-1986
5. के० बी० मात्यू (सं० 1)		3-12-1986
6. बी० सुभाष चन्द्रन		4-12-1986
7. पी० भास्करन (सं० 2)		3-12-1986
8. एन० गोपाल कृष्णन नायर (सं० 2)		4-12-1986
9. के० श्रीधरा कुरुप		5-12-1986
10. पी० विजय कुमारन नायर		4-12-1986
11. एस० श्यामला		3-12-1986
12. सी० के० गोपिनाथन नायर (उपचारार्थ)		4-12-1986
13. एन० कृष्णन कुट्टी		4-12-1986

क्रम संख्या 7 एवं 13 : उनकी पदोन्नतियां वर्ष 1979 के सिविल विविध अर्जी संख्या 6944-45 पर उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अध्यधीन हैं।

सं० प्रशासन/लेखा परीक्षा/१०-१३०७—महालेखाकार ने श्री पी० ए० हुसैन, अनुभाग अधिकारी (प्रतिनियुक्ति पर) को उपचारार्थ के आधार पर २०००-६०-२३०० ई० बी०-७५-३२०० के वेतनमान में १८-१२-१९८६ तारीख से सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में उन्नति किया है। आपकी पदोन्नति सिविल विविध अर्जी संख्या २४८५१/८४ तथा विविल विविध अर्जी संख्या १७४९/८४ पर केरल के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जो आदेश जारी किया जाये, उसके अध्यधीन अगले आदेश तक अस्थाई है।

श्राई० वेंकटरामन,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम

ग्रामियर, दिनांक १६ जनवरी १९८७

फमांक/प्रशासन/ /समूह- २७९/१८७८—केन्द्रीय सिविल सेवाएं (पेंशन) नियम १९७२ के नियम ४८-ए अन्तर्गत श्री आर० सी० भार्या, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी ०२/५४४ को दिनांक २८-२-१९८७ अपराह्न के शासकीय सेवा से स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति की स्वीकृति प्रदान की गई है।

[प्राधिकार: महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम के आदेश दिनांक ५-१-१९८७]

ह० अठ नीय
उप महालेखाकार (प्रशा०)

महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय

भुवनेश्वर, दिनांक १७ दिसम्बर १९८६

सं० आ० स्था०८१—महालेखाकार (लै० प०) द्वारा इस कार्यालय के श्री एल० आर० शास्त्री, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को वेतनमान रु० २३७५-७५-३२००-८० रो०-१००-३५०० पर भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग (प्रशासनिक अधिकारी/लेखा परीक्षा अधिकारी/लेखा अधिकारी) नियमावली, १९६४ के अनुसार दिनांक २९-८-१९८६ से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किये जाते हैं। उसकी पदोन्नति उनके वरिष्ठ दावे के पक्षपात के बिना न्यायालय में विचाराधीन मामलों पर उच्च/उच्चतम न्यायालय के अन्तिम निर्णय एवं तदर्थे आधार पर दी गई है।

दिनांक ६ जनवरी १९८७

सं० आ० स्था० संख्या ८६—महालेखाकार लेखा परीक्षा प्रथम द्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को वेतनमान रु० २३७५-७५-३२००-८० रो०-१००-३५०० पर उनके नाम के आगे अंकित तिथि से भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग (प्रशासनिक अधिकारी/लेखा अधिकारी तथा लेखा परीक्षा अधिकारी) नियमावली १९६४ के अनुसार स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी

के पद पर सहर्ष नियुक्त किये जाते हैं। उनकी पदोन्नति उनके वरिष्ठ के दावे के पक्षपात के बिना न्यायालय में विचाराधीन मामलों पर उच्च/उच्चतम न्यायालय के अन्तिम निर्णय एवं तदर्थे आधार पर दी गई है।

(पूर्वांक)

१. श्री एन० के० महापात्र	१-१-८७
२. श्री ए० वी० नरसिंहम	१-१-८७
३. श्री के० एस० आर० मूर्ति पट्टनायक	१-१-८७
४. श्री जे० एम० मोइन	१-१-८७

म० ग० महसकर,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशा०)

महालेखाकार का कार्यालय, (लेखा एवं हकदारी)

इलाहाबाद, दिनांक १५ जनवरी १९८७

सं० प्रशा०-१/११-१४४ अधि०/१३५५८—श्री डी० पी० तिवारी, स्थाई लेखा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद, अधिविष्टा की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक ३१-१२-८६ (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

मीनाक्षी चक्र;
उप महालेखाकार (प्रशासन)

श्रम एवं प्रत्यक्षि मंत्रालय

(श्रम विभाग)

श्रम व्यूरो

फिल्मा-१७१००४, दिनांक ६ फरवरी १९८७

सं० ५/१/८६-सी० पी० आई०—दिसम्बर, १९८६ में औद्योगिक अभियों का अस्तित्व भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष १९६०=१००) नवम्बर, १९८६ के तर ६९२ से चार अंक घट कर ६८८ (छ: सी अट्ठासी) रहा। दिसम्बर १९८६ माह का सूचकांक आधार वर्ष १९४९=१०० पर परिवर्तित किए जाने पर ८३६ (आठ सौ छत्तीस) आता है।

बलराम
उप-निदेशक

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय,

बम्बई-२२, दिनांक १९ जनवरी, १९८७

सं० १७/५/७६ स्थापना—इस महानिदेशालय के अधीनस्थ कार्यालय क्षेत्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र, कलकत्ता के प्रशासनिक अधिकारी श्री डी० सी० दास अधिविष्टा की आयु पर

पहुंचकर दिनांक 1-10-1986 (पूर्वाह्नि) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

के० ए० नारायनन,
उप निदेशक (प्रशासन)
कूते महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात नियाति का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी, 1987

आयात और नियाति व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

स० 6/512/58-प्रशा० (जी०)/389—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात नियाति के कार्यालय बम्बई में श्री ओम प्रकाश, उप मुख्य नियंत्रक, आयात नियाति, सेवा निवृत्ति की आयु होने पर 31 दिसम्बर, 1986 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 13 जनवरी, 1987

स० 6/409/56-प्रशा० (राज०)/257—श्री बी० के विश्वास, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात नियाति, कलकत्ता सेवा निवृत्ति की आयु होने पर 31 दिसम्बर, 1986 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

शंकर चन्द्र,
उप मुख्य नियंत्रक आयात नियाति,
कूते मुख्य नियंत्रक, आयात नियाति

उद्योग मंत्रालय

शैक्षणिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (ल० उ०) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1987

स० ए० 19018(758)/84—प्रशासन (राज परिवत), श्री पी० के० संगई, को, 28-11-86 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, गुवाहाटी में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (खाद्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।

स० ए० 19018(699)/83-प्रशा० (राज०)—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री के० एम० छेका, उप निदेशक (ग्रेड-II) (सामान्य प्रशासन प्रभाग) लघु उद्योग सेवा संस्थान गुवाहाटी ने 30 निवम्बर, 1986 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 13 जनवरी 1987

स० ए० 19018(767)/84-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गुवाहाटी के सहायक निदेशक, ग्रेड-II (शार्थिक अन्वेषण), श्री बी० सी० मलिक

को दिनांक 6-10-०६ (पूर्वाह्नि) से अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (शैक्षणिक प्रबन्ध प्रशिक्षण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जनवरी, 1987

स० 12(602)/68-प्रशा० (राज०)—सेवा निवृत्ति की आयु पूरी हो जाने पर श्री एस० चौहान उप निदेशक (शार्थिक अन्वेषण) लघु उद्योग सेवा संस्थान अहमदाबाद ने दिनांक 30 नवम्बर 1986 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

स० 12(684)/71-प्रशा० (राज०) खण्ड-II—सेवा निवृत्ति की आयु पूरी हो जाने पर, श्री आर० आर० फौजदार, उप निदेशक (सामान्य प्रशासन प्रभाग) विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली ने दिनांक 31-12-86 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० जी० राय
उप निदेशक (प्रशासन)

कार्यालय, महानियंत्रक, एकस्व, रूपांकन एवं व्यापार चिह्न

बम्बई-20, दिनांक 19 जनवरी, 1987

स० सी० जी/एफ 14/7/(13)/एकस्व/138—राष्ट्रपति, श्री राम राव चिन्तालपति को दिनांक 23-10-1986 (पूर्वाह्नि) से परीक्षक, एकस्व एवं रूपांकन (ग्रुप 'अ' राजपत्रित) के पद पर नियमित रूप के वेतनमान र० 700-1300 पर एकस्व शाखा कार्यालय बम्बई में नियुक्त करते हैं। वे उपरोक्त दिनांक से 2 वर्ष की अवधि पर परिवीक्षाधीन रहेंगे।

आर० ए० आचार्य,
महानियंत्रक,
एकस्व, रूपांकन एवं व्यापार चिह्न

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 16 जनवरी, 1987

स० 321 बी/ए-19011(2-आर० सी० एस०)/86-19 बी—राष्ट्रपति, श्री राम चरित्र सिंह को भू-भौतिकीय (कनिष्ठ) (उपकरण) के पद पर भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 700-40-900 व० ३०-40-1000-50-1300 र० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 30-10-86 के पूर्वाह्नि से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 333 बी/ए-32013(2-जी० एस०)/83-19बी—
राष्ट्रपति भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूभौतिकीविद (कनिष्ठ) श्री एम० पी० मैथू को भूभौतिकीविद (वरिष्ठ) के पद पर उसी विभाग में नियमनुसार 1100-50-1300 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमतामें आगामी आदेश होने तक 11-9-86 (प्राराह) से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 346 बी/ए-19012(2-एम० सी० एस०)/29
बी—श्री एम० सी० सोरी ने नेन एवं प्रारूपिक गैत आदोग (आयल एण्ड नैचुरल गैस कमीशन) में अपनी स्थायी नियुक्ति के फलस्वरूप भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भू-भौतिकीविद (उपकरण) के पद से 6-4-1986 (प्राराह) से त्याग पत्र दे दिया।

सं० 379 बी/ए-32013(2-जी० एस०)/83/19 बी—
राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित भूभौतिकीविदों (कनिष्ठ) को भूभौतिकीविद (वरिष्ठ) के पद पर उसी विभाग में नियमनुसार 1100-50-1600 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

	(प्राराह)
1. श्री एम० एस० बी० रामा राव	15-9-86
2. डा० वेदव्रत घोष	9-9-86
3. श्री एन० पी० सिंह	9-9-86

सं० 394 बी/ए-32013/1-भूव०(वरिष्ठ)/82-19 बी—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) श्री बी० के० आनन्द को भारतीय सीमेंट गवेषण संस्थान, नई दिल्ली में लेवल अधिकारी के पद पर नियुक्ति पर 11-9-86 से 11-9-87 तक लियन बढ़ाने की स्वीकृति दी जाती है।

अमित कुमारी,
निदेशक (कार्मिक)

फलकसा-700016, दिनांक 16 जनवरी 1987

सं० 361 बी/ए-19011(एस० एस० आर०)/84-19
बी—राष्ट्रपति भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ड्रिलिंग अभियन्ता (कनिष्ठ) श्री एम० एस० रामस्वामी को ड्रिलिंग अभियन्ता (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियमनुसार 1100-50-1600 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 17 नवम्बर, 1986 के प्राराह से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

जगदीश साल
निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1987

सं० ए० 38012/8/86-प्रशासन-I—डा० एस० एन० रे, सहायक महानिदेशक (हैंजा) 6 जनवरी, 1987 के अपराह्न से सरकारी सेवा से स्वैच्छिक रूप से रिटायर हो गये हैं।

दिनांक 20 जनवरी 1987

सं० ए० 38012/1/86-प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अधीन डा० पी० बासु, मुख्य चिकित्सा अधिकारी को 2 अप्रैल, 1986 (अपराह्न) से स्वैच्छिक रूप से सरकारी सेवा से रिटायर होने की अनुमति प्रदान कर दी है।

पी० के० घई,
उप निदेशक प्रशासन,
(सी० एण्ड बी)

परमाणु ऊर्जा विभाग

नाभिकीय ईंधन समिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 16 जनवरी 1987

सं० ना० ०९० सं०/का० प्र० भ०/0703/137—इस कार्यालय की अधिभूतना सं० न०९० सं०/का० प्र० भ०/0703/2289 दिनांक 13 दिसम्बर, 1986 के क्रम में सहायक लेखाकार श्री ना० भरतन की रु० 2000-60-2300 द० रो०-75-3200 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ प्रधार पर नियुक्ति को दिनांक 5-2-1987 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त इतमें से जो भी पूर्वान्तित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

गोपाल सिंह,
प्रबन्धक, (कार्मिक व प्रशासन)

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 21 जनवरी 1987

सं० प० ख० प्र०-16/1/85-भर्ती—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा राजस्थान परमाणु विजलीबर के एक स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक श्री जी० एम० नायर को परमाणु खनिज प्रभाग में 15-12-1986 के प्राराह से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

अ० व० खान,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

इसरो उपग्रह केन्द्र
(अन्तरिक्ष विभाग)

बैंगलूरु-560017, दिनांक 16 जनवरी 1987

सं. ०३०/१ (१५.१)/८७—स्थापना—I—इच्छरो उपग्रह के केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिये गये पदों पर तथा दर्शायी तिथियों के पूर्वाह्न से अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र बैंगलूरु में अगले आदेश प्राप्त होने तक अस्थायी आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र सं०	नाम	पदनाम	दिनांक
	श्री		
1.	पी० रामचन्द्र	वैज्ञानिक/अभियन्ता "एस बी"	२३ अगस्त, ८५
2.	देवसिस अश्रुबोर्ट	वैज्ञानिक/अभियन्ता "एस बी"	२३ अगस्त, ८५
3.	एन० षण्मुग सुन्दरम	वैज्ञानिक/अभियन्ता "एस बी"	१६ जुलाई, ८६
4.	बी० एम० बसवराजु	वैज्ञानिक अभियन्ता "एस बी"	१५ सितम्बर, ८६

एच० एस० रामदास,
प्रशासन अधिकारी—II

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 15 जनवरी 1987

सं. ए०-१९०१२/११८६/८६—एच०—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री के० एम० पालानी, को कनिष्ठ अभियन्ता/अतिरिक्त महायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में २०००-६०-२३००-द० रो०-७५-३२००-१००-३५०० रुपये के वेतनमान में १७-९-८६ की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 जनवरी 1987

सं. ए-१९०१२/१०९९/८५—स्थापना पांच—विभागीय पक्षोन्नति समिति (समूह ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री भनतोष कुमार साहा, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१००० द० रो०-४०-१२०० के वेतनमान

में दिनांक १५-४-८५ की पूर्वाह्न से अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

२. उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिये परिदीक्षा पर रहेंगे।

दिनांक 19 जनवरी 1987

सं. ए० १९०१२/१०६०/८४—स्थापना पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री रमेश चन्द्र वाल सुखभाई पटेल, कनिष्ठ अभियन्ता को अतिरिक्त सहायक निदेशक सहायक अभियन्ता (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१००० द० रो०-४०-१२०० रुपये के वेतनमान में दिनांक १७-८-१९८४ की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ए०-१९०१२/११५६/८५—स्थापना पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री वाल किशन, पर्यवेक्षक (कनिष्ठ अभियन्ता) को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१००० द० रो०-४०-१२०० रुपये के वेतनमान में ५-११-१९८५ की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ए० १९०१२/११६२/८५—स्थापना पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री हिमांश कुमार हलदर, अभिकल्प महायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में २०००-६०-२३०० द० रो०-७५-३२००-१००-३५०० रुपये के वेतनमान में ९-४-१९८६ की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो पूर्ण अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ए०-१९०१२/११०५/८६—स्थापना पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री सतीश चन्द्र, अभिकल्प महायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में २०००-६०-२३०० द० रो०-७५-३२००-१००-३५०० रुपये के वेतनमान में १९-६-१९८६ की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ए-१९०१२/११८४/८६—स्था० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री बलदेव कृष्ण गुप्ता, कनिष्ठ अभियन्ता को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में २०००-६०-२३०० द० रो०-७५-३२००-१००-३५०० रुपये के वेतनमान में २०-६-१९८६

की पूर्वान्तर से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ए० 19012/1210/86—स्थापना पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री अनिल कुमार मितल, अभिकल्प सहायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के प्रेड में 2000-60-2300 द० रो० 75-3200-100-3500 रुपये के वेतनमान में 26-8-1986 की पूर्वान्तर से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० आर० सिंगल,
अवर सचिव

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1986

सं. 3-754/86-मू० जल भू० (स्था०)—श्री ए० इन० तिवारी को दिनांक 21-10-86 (पूर्वान्तर) से सहायक रसायनज्ञ के पद पर, सी० सी० एम० समूह ख (राजपत्रित) परिशोधित वेतनमान रुपये 2000-60-2300-द० रो० 75-3200-100-3500 पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में अगले आदेश तक अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय मध्य क्षेत्र, नागपुर होगा।

सं. 3-753/86-मू० जल भू० (स्था०)—श्री जनेश्वर दास, घरिण्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को दिनांक 20-10-86 (पूर्वान्तर) से पदोन्तति देकर सहायक रसायनज्ञ के पद पर सी० सी० एम० समूह ख (राजपत्रित) वेतनमान रुपये 2000-60-2300 द० रो० 75-3200-100-3500 पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में अगले आदेश तक अस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय उत्तर पश्चिम क्षेत्र चण्डीगढ़ होगा।

बी० पी० सी० सिन्हा,
मुख्य जलभूमिज्ञानी एवं सदस्य

उद्योग मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्टर का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और संभरण केमिकल्स एण्ड फार्मास्यूटिकल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 जनवरी 1987

सं. 14730/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अनुसरण में एतद्वारा

सूचना दी जाती है कि संभरण केमिकल्स एण्ड फार्मास्यूटिकल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री दुर्गा आयल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 जनवरी 1987

सं. 27777/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री दुर्गा आयल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ढकेस इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं. 24450/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ढकेस इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अक्षय कुमार दे एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 जनवरी, 1987

सं. 24799/560(5)—कमानी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अक्षय कुमार दे एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेडकाप प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 जनवरी 1987

सं. 27448/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेडकाप प्राइवेट लिमिटेड का नाम रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री प्लाई बोर्ड डिस्ट्रिब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 जनवरी 1987

सं. 26522/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री प्लाई बोर्ड डिस्ट्रिब्यूटर्स प्राइवेट

प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और प्रत्युल मुकर्जी मिथेडरम प्राई-
वेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 20 जनवरी 1987

सं० 26029/650(3):— कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण में एनद्वारा

मूचना दी जाती है कि प्रत्युल मुकर्जी (सिथेडरस) प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

हर लाल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

प्रकृष्ट बाई० टी० एन० ए०

(1) श्री ग्रोस्कर साल्डान्हा ।

(अन्तरक)

प्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मैसंसं श्रेयस कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1987

निर्देश सं० अई-4/37-ई०/28039/85-86—यतः, मुम्बे,
लक्ष्मण दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इकाई
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विवास की वारार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 30-ए, सी० टी० एस० नं० 964,
सर्वे नं० 110 (पार्ट), एक्सर, विलेज, आय० सी० कालोनी,
बोरीवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की भारा 269 (ख) के अधीन अम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक

1-5-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दसवासान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष ही गहै है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाबार मूल्य, उसके दसवासान प्रतिफल से, एस० लक्ष्मण
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यथा
यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निरूपण
में वास्तविक रूप से असत्त नहीं पाया जाता है :—(ख) अन्तरण से ही किसी बाय की आदत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरेक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी बाय या किसी दूसरे बाय वास्तविकी

(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिक्षीय बाबार प्रकृत नहीं किया
जाय था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;लक्ष्मण दास, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—कि यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस रुक्ति के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
रुक्ति की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्ती बाब भी समाप्त होती है, के भीतर इर्दोंका
व्यक्तियों ये से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहु
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, जिसे होस्ताकारी के पाय
सिविल में किए जा सकते हैं।कलाप :— इसपर प्रधानमंत्री और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों जर्ख होंगा जो उस अध्याय 5- दिए
जाएं हैं।

बन्धुकी

प्लाट नं० 30-ए, जो सी० टी० एस० नं० 964, सर्वे
नं० 110 पार्ट), एक्सर विलेज आय० सी० कालोनी,
बोरीवली (प०), बम्बई-400103 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ई०/28039/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1986 को
रजिस्टर किया गया है।लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 15-1-1987

मोहर :

प्रश्न वार्ड, डॉ. एवं सूचना अधिकारी

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) का
भारा २६९-व (१) के अधीन सूचना

भारत वर्ताव

कार्यालय, सहायक आयकर आवृत्ति (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज-४, बम्बई

बम्बई, दिनांक १५ जनवरी १९८७

निवेश सं० आई-४/३७ई/२८०२७/८५-८६—यतः, मुझे,
लक्षण दास,
आयकर और्ध्वनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा २६९-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी ने, यह विवरास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
१,००,०००/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० ११०, हिस्सा नं० १, सी० टी० एस०
नं० ६८, ६८(१) से ९, मलाड (एन), म्युनिसिपल आर० वाड०
नं० १०७१-१०७५ स्ट्रीट नं० १७९, १८१ए/१, १८०, १८१
और १८३ए, बम्बई में स्थित है (अंग्रेजीसे उपादान अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका उत्तरनामा आयकर
अधिनियम, १९६१ की धारा २६९ के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक १-५-१९८६
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के स्थावर
प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और यह किवात
करने का कारण है कि यथनपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्ययन प्रतिफल से एसे अध्ययन प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण जो लिए हय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी बात की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
भी निए; भारा/५

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को विहृत भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) वा उक्त अधिनियम, वा उक्त
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
भी निए;

वह: अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व के अनुसर
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी :—

(१) मैसर्स श्री जी० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(२) मैसर्स जयंतीलाल इन्वेस्टिमेंट्स ।

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्व स्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के दर्शक जो कोई भी वाले त्रु—

(क) इस सूचना के उपरान्त भौं प्रकाशन की तारीख से ४३
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो यी
अवधि बाद दू समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ल) इस सूचना के उपरान्त भौं प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहू
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणीकरण :—इसमें प्रश्नकृत शब्दों और पठन का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभासित
हैं, वह वर्थ होंगे, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लक्षणी

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० ११०, हिस्सा नं० १,
सी० टी० एस० नं० ६८, और ६८(१) से ९, मलाड (एन),
सी० टी० एस० नं० ६८ और ६८ (१) से ९ मालाड (एन)
म्युनिसिपल आर० वाड० नं० १०७१-१०७५ स्ट्रीट नं० १७९,
१८१ए/१, १८०, १८१, १८३ए, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-४/३७ई/२८०२७/८५-८६
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक १-५-१९८६ को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज-४, बम्बई

दिनांक : १५-१-१९८७

मोहर :

प्रकृत आई.टी.एव.एस. -----
 वादफूल अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई
 बम्बई, दिनांक 15 जनवरी, 1987

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/28040/85-86—यतः, मुझे,
 लक्षण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1.00,000/-रु. से अधिक है
 और जिसकी सं० विला प्रोएल नाम का बंगला व जमीन जो
 प्लाट नं० 30, सी० टी० एस० नं० 965, सर्वे नं० 110 (पार्ट),
 113 (पार्ट), एम्सर विलेज, आय० सी० कालोनी, बोरीवली (प),
 बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपांचढ़ ग्रनुसूची में आय०
 पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
 1961 की धारा 269 के कारण के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
 प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-5-1986
 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह दिया
 करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल के पांच
 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया ग्रातिफल,
 निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई एकसी आय की आवत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
 बावजूद या कभी करने या सक्षम बचन में सूचिभा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्थाओं
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 दाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ कन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, उच्चान में सूचिभा
 के लिए;

जात: नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसन्धान
 में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपार्ट 5—

1. श्री लेस्टर साल्डान्हा ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स श्रेयस कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरिती)

यह सूचना आरी बरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के दिए
 कार्रवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के बचन के संबंध में क्षेत्र भी बाजेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की बचाय या उत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सावीस से 30 दिन की बचाय, जो भी
 अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास
 निवित में किए था सक्तें।

लक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 व्यक्तियों, के बचाय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही वर्ष होता जो उक्त बचाय में दिया
 गया है।

लक्षण

विता प्रोएल नाम का बंगला व जमीन जो प्लाट नं० 30,
 सी० टी० एस० नं० 965, सर्वे नं० 110 (पार्ट), 113 (पार्ट)
 एम्सर, विलेज, आय० सी० कालोनी, बोरीवली (प०), बम्बई-
 400103 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/28040/85-86
 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1986
 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 15-1-87

मोहु :
 मोहु :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर अधीनकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, है

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1987

निर्देश सं. आई-4/37-ई/27724/85-86—यतः, मुझे,
लक्षण दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
अ में से ० जमा कि संलग्न सूची में दिया गय है,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपमें
वर्णित है) और जिसका कागजानामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थिथ सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-5-1986

को प्रवैक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवैक्ता सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बोचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आसियों
को, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) द्विरावाई मनीक भंडारी और अन्य ।

(प्रत्यक्ष)

(2) दत्तानी कन्स्ट्रक्शन्स ।

(प्रत्यक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को लागील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
करी अन्य व्यक्ति द्वारा अकाहस्ताक्षरी के पास
लाभित में किए जा सकेंगे।

रप्टरेकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सं. जमीन व उस पर बने प्रीमायसेस जो कि
विलेज चार्कोप, बोगीबली तालुका, वाम्बे सर्वेन छिस्टिक्ट
में है और जिसका कि सं. नं. ०, हिस्सा नं. ० व सी. ० टी. ० एस. ०
नं. निम्नलिखित है:—

सं. नं.	हिस्सा नं.	सी. ० टी. ० एस. ० नं.
12 (पार्ट)	17	577 (पार्ट)
16	17	549
16	1, 2, 4,	566
23	10	239
8	11	489

अनुसूची जैसा कि शं. सं. आई-4/37-ई/27724/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 15-1-1987

मोहर :

प्रकाश बाई.टी.एन.एस.-----

(1) गोविन्द बाबू शर्व और अन्य । (अन्तरक)

(2) केसरी हरीदास माली ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत उत्तराखण्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1987

निर्देश सं. अई-4/37-ई/27946/85-86—यतः, मुझे,
लक्षण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

मैं सं. जैसा कि संवरन सूचा में दिया गया है,
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक

1-5-86

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभाव
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाभूतिक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धारांतरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(a) अंतरण से हाउर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दृश्यभाव में
क्षमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(b) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किंग
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

बतः बब, उक्त अधिनियम को भारा 269-व के मान्यतरण
में, दैर्घ्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नांचल अंतरालों, अन्तर :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित
आयकारिकता करना है :

उक्त सम्पत्ति के उचित में कोई भी विवरण :—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितदृश्य किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के बास लिखित में
किए जा सकेंगे।

प्रतीकरण :—इसमें प्रधूम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं. 13, हिस्सा
नं. 14, सी० टी० एस० नं. 82, सर्वे नं. 16, हिस्सा नं. 8,
सी० टी० एस० नं. 58, फायनल प्लाट नं. 634, टी० पी० एस०
3, सर्वे नं. 15, हिस्सा नं. 7, सी० टी० एस० नं. 123,
फायनल प्लाट नं. 633, टी० पी० एस० 3, सर्वे नं. 15,
हिस्सा नं. 10, सी० टी० एस० नं. 118, 118/1, 118/2,
फायनल प्लाट नं. 6/7 बी, सर्वे नं. 12, हिस्सा नं. 2,
सी० टी० एस० नं. 101, सर्वे नं. 17, हिस्सा
नं. 7, सी० टी० एस० नं. 52, फायनल प्लाट नं. 640,
टी० पी० एस० 3, शिपोली विलेज, बोरीवली तालुका, बम्बई
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अई-4/37-ई/27946/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 15-1-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशीनगर, भारतीय आयकर बायकर (निम्नांग)

अर्जन रेंज-2प्र, बम्बई¹
बम्बई, दिनांक 12जनवरी 1987

निदेश सं० आई-2प्र/37-ईई/34045/85-86—यतः, मुझे,
श्रौ० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, फीयोना बिल्डिंग, जुह, बम्बई
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और, जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक, 16-5-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
आयीनम के अधीन या दिन के अन्तर्गत के
दायित्व में किसी करने या उससे करने वा संविधा

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जला चाहए था, तो पास में संविधा
न है लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी स्कार्लेट छाता।

(अन्तर्क)

(2) श्री असगर बद्रीन माकरवाला और
श्रीमती शमीन असगर माकरवाला।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. फिरोज श्रीट प्रायवेट लिमिटेड।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांग्रेस भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के व्यापक लैं प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तास्त्रवन्धी व्यक्तियों पर
भ्रमा की तारीख ने 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि याद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अन्तरण में भी किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो दूसरी मंजिल, फीयोना इमारत 176
जुह तारा रोड, जुह, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2प्र/37-ईई/34045/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्रौ० वैद्य

सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2प्र, बम्बई

दिनांक : 12-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स के० आर० एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सचना

(2) श्री कथम सेलीया और श्रीमती सैदनीसा सेलिया ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2अ, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी 1987

निर्देश सं० अई-2अ/37-ईई/34161/85-86--यतः, मुझे,
श्र० बैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 601, होरायजोन व्हॉ० यू०,
अंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 के खे के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर है दिनांक
19-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

अन्तरण सं० ६०१ कसा बाय का बाथल, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लियन्ट में अभी करव था उससे बचने में सुविधा वे निष्ठ अंदर/था।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविसरों वर्णन :—

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोइ भी वाक्यप :—

(क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें पूर्वोक्त क्षब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के बधाय 20-के में परिभाषित हैं, वही वर्त होगा जो उस बधाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 601, जो होरायजोन व्हॉ० यू० 1, प्लॉट नं० 70, सर्वे नं० 91 (ए) (पार्ट) 95ए(पार्ट), आफ जयप्रकाश, रोड, वसोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2अ/37-ईई/34161/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्र० बैद्य

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2अ, बम्बई

दिनांक - 12-1-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2अ, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी 1987

निदेश सं० आई-2अ / 37ई/33870/85-86—अतः मुझे
ए० देश।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आंबोली विलेज अंधेरी बम्बई में स्थित है
(और इससे उपांडव प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
268 का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 2-5-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रास्ताविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. मैतर्स शोहम कन्स्ट्रक्शन्स को० ।

(अन्तरक)

2. श्री दिनेश सी० अग्रवाल और श्री रोजन सी० अग्रवाल ।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।संष्टोक्षण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वेनं० 27 एचनं० 2 सी० टी०
एस० नं० 160 एसनं० 26ए एचनं० 1 सी० टी० एस०
नं० 164 एस० नं० 24 एच० नं० 3 सी० टी० एस० नं०
231 एसनं० 25 एचनं० 6ए सी० टी० एस० नं० 235
एस० नं० 25 एच० नं० 3 सी० टी० एस० नं० 232 सर्वे
नं० 25 एचनं० 1 सी० टी० एस० जन्न० 227 आंबोली
विलेज अंधेरी बम्बई में स्थित है।अनुसूची जैसा कि अ० सं० आई-2अ/37ई/33870/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।ए० देश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2अ, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधा (1)
अपील, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-456GI/86

दिनांक : 12-1-1987

मोहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस. —————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2प्र, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी 1987

निदेश सं० आई-2प्र/37ई/34126/85-86—प्रतः मुझे
ए० बैध
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विचे इसमें
इसके पश्चात् 'जन्तु अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लैट नं० 4-वीं धमरत्न अपार्टमेंट अंधेरी
(प०) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
बायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का के प्रधीन अधीन अधीन
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 19-5-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधार प्रतिफल से, एक अवधार प्रतिफल का
प्रमुख प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक्षे) और अन्त-
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाशा गवा
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मूल्य तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बनरत्न से हूँ इ किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सहभाव
के लिए; और/या

(ख) एकी किसी बाब या किसी भन या अन्य बासितियों
को, जिन्हे भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गयी किया
या या किया जाना चाहिए था, जिसने ऐसी
सहभाव के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

1. मैसर्स न्यू इंडिया कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार आर० गुप्ता और
श्री विपक्ष कुमार आर० गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, विभासाकारी के पाद
लिखित में किये जा दृढ़ है।

लिप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही वर्त होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 4-वीं जो धनरत्न अपार्टमेंट सी० टी० एस०
नं० 131 131(1) से 131 (8) आफ जयप्रकाश रोड
भारतवाडी अंधेरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जिसां कि क्र० सं० आई-2प्र/37ई/34126/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैध
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2प्र, बम्बई

दिनांक : 12-1-1987
मोहर :

प्रत्यक्ष नामांक द्वारा दर्शक एवं उपर्युक्त

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

भारा 269-व (1) के अधीन दृष्टवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बाबूजत (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2म, बम्बई

बम्बई, विमानक 12 जनवरी 1987

निवेश सं० आई-२प्र /३७ई/३४१९५/८५-८६—अतः मुझे
ए० वैश

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रधानत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
द्वारा है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 61 विट्ल नगर विले पाले (प)
बम्बई-५६ में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की भारा 269 के अधीन अम्बई स्थित सकाम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 22-५-१९८६
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवधार
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूले यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहारान्तर प्रतिफल से, एसे व्यवहारान्तर प्रतिफल का
न्यून अंतरित से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरीदियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा याद गया प्रति-
तिक्षण, प्रिमलीसिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
वक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) एसी किसी आय या किसी भने या अध्य बास्तियों
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अध-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या
व्योजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी बाग आदि वा, किसान वा दूषित
के सिए;

अतः एवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अनुसूची
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, प्रिमलीसिद्धि अधिकारी, अम्बई

- श्री लक्ष्मन जे० रामसिंधानी
श्री दौलत जे० रामसिंधानी
श्री बाशू जे० रामसिंधानी और
श्री अशोक जे० रामसिंधानी ।

(अन्तरक)

- श्री जे० एच० भाटिया, ए० एच० भाटिया, एम० एच०
भाटिया, एस० एच० भाटिया, माया जे० भाटिया,
आशा जे० भाटिया, और पूनम एम० भाटिया,
नीता एस० भाटिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहों करता है ।

इस सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

- इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीन से 30 दिन की अवधि, जो वी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
चास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रदर्शक हमारी और तब्दी
अधिनियम के अधाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा को उक्त अधाय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 61 जो विट्ल नगर को-ग्राप० हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड जुड़ विले पाले डेवलपमेंट स्कीम विले पाले
(प०) अम्बई-400056 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-२प्र/३७ई/३४१९५/८५-
८६ और जो सकाम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 22-५-८६
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० वैश

सकाम प्राधिकारी

सहायक वायकर बाबूजत (निरीक्षण)

प्रजन रेंज 2प्र, अम्बई

दिनांक : 12-१-१९८७

मोहर :

प्रधान वार्ष. ट्री. एव. पर्व. १९८८

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2ए, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 जनवरी 1987

निवेदन सं० आई-2ए/37ई/33835/85-86—प्रत: मुझे
ए० वैदा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहू है), की भारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

अर जिसकी सं० सी शैल वर्सोवा अंग्रेजी बम्बई में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की भारा
269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 2-5-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इस्यमान प्रतिफल से, एक्से यथामान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एक अन्तरण के लिए तथ यादा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भ्रं
गात्मक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) उक्त उद्दे शिक्षी यात्रा की वायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्त्ता करने वा उसके वचन में संकेत
के लिए; और/या

(ख) एस किसी थाय या किसी अन्य आंतरिक
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) या
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, जिसमें में संदिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अन्तरक
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा ४—

1. श्रीमती देवी बाई बल्लभदास मदनानी और अन्य ।
(अन्तरक)

2. मैसर्स चेतन डेवलपर्स ।

(अन्तरिती)

3. भाडोत्री।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थ, और
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्थ के सम्बन्ध में बोर्ड की वालेह ४—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास
लिखित भ्रं किये जा सकें।

ल्पन्नोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त संबंधों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा सी शैल बिल्डिंग के साथ वर्सोवा अंग्रेजी
बम्बई।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2ए / 37ई/33835/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैदा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2ए, बम्बई

दिनांक : 12-1-1987

माहूर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2प्र, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी 1987

निदेश सं० आई-2प्र/37ई/34307/85-86—अतः मुझे

ए० वैद्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सी-10, वसंता थीयोसोफिकल, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-5-86 का प्रावैक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रावैक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वर्तने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अनिरित द्वारा प्रकट नहीं किया जाना आहिए था, छपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दी वसंता थीयोसोफिकल को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री साम के० कपूर, और श्रीमती मूल साम कपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाप्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्नाकरी के पास लिखित में किए जा सकते।

रख्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमूनी

प्लाट नं० सी-10, जो वसंता थीयोसोफिकल को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुमूली जैसा कि क्र० सं० आई-2प्र/37ई/34307/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2प्र, बम्बई

दिनांक : 12-1-1987

मोहर

प्रेस्प्र बाई, टी. एन. एस. - - -

उत्तरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशिलिंग, सहायक अधिकर बाबूलक्षण (मिस्टर लक्षण)

अर्जन रेज-2प्र, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी 1986

निदेश सं० आई-2प्र/37ई/34261/85-86—प्रत: मुझे
ए० वैद्यआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, होरायजोन व्ही० अंधेरी(प)
बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्तर्गती में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 22-5-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिरकी (अन्तरितयों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(ए) बन्दरगाह ते बूर्ड इंडिया बाय की बाबत, उत्तर
अधिनियम के अधीन कर इन्हें के अन्तरक के
साथसाथ में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा
वे लिए; और/मा(ब) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बासिन्दाओं
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिरकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या छिपाने में धूंधला
वे लिए;वह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. भैसर्स के भारा० एसोशिएट्स।

(अन्तरक)

2. श्री दीलतराम मूलचन्द मोरवानी और
श्रीमती आशा श्री० मोरवानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करेंगा हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में बोहै० भी बाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303, जो० होरायजोन व्ही० 1, प्लाट नं० 70,
सर्वे नं० 91ए(पार्ट), 95ए (पाफ), आफ जयप्रकाश रोड
वसोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2प्र, 37ई/34261/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-5-1986
की रजिस्टर्ड किया गया है।ए० व ए
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2प्र, बम्बई

दिनांक : 12-1-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2प्र, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी, 1987

निवेश सं० आई-2प्र/37ई/33825/85-86—अतः मुझे
ए० वैष्णआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लॉस्टाइन नं० 108, जूहु, शितल, जूहु, बम्बई-65
स्थित है (और इससे उपायद्वय अन सूची में और जो पूर्ण रूप
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की भारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-5-1986के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।वतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. रानी अजय श्वेत।

(अन्तरक)

2. श्री धीर्जिणा, पालनजी धमोदीवाला और
डोली धनजीशा धमोदीवाला

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. हाउसिंग डेवलपमेंट एण्ड फायनेंस कारपोरेशन।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रदूषक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों वा, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राष्ट
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं० 108, जो जूहु, शितल को-पार्सिंग सोसायटी
लिमिटेड, जूहु, रोड, बम्बई-400049 में स्थित है।‘अनुसूची’ जैसा कि क्र० सं० आई-2प्र/37ई/33825/85/86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-198
को रजिस्टर्ड किया गया है।ए० वैष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2प्र, बम्बई

तारीख : 12-1-1987

मोहर :

प्रकल्प बाइंडी, टो. एन. एम. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाजार (विवरण)

अर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी, 1987

निदेश सं० आई-2ए/37ई/33864/85-86—ग्रत: मुझे
ए० वैद्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विशेषास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 109, जल दर्शन, जुहु, बम्बई-49
में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका कारारना आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्टर है दिनांक 2-5-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के बिना अधिकारी की वह है और उसके बारे में विशेष
कारण का कारण है कि वर्षांत्यों बारे में विशेष
आयकर अधिकारी के बारे में अनुसूची में अनुसूची
में अनुसूची में अनुसूची में अनुसूची में अनुसूची
(अनुसूची) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसूची से हुए किसी बाय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्ते के अन्तरण से
वापर से कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
आए/गा

(ख) एसी किसी बाय वा किसी उन वा अन्य अधिनियमों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से
प्रयोगनार्थ अनुसूची द्वारा प्रकट कहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, अन्याने वा मान्यता
वे लिए।

ग्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसूचण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अनुसूची, अधीत ८—

1. मैरसर्स एम० आर० कम्बाइन ।

(अन्तरक)

2. श्री रुमी रुस्तमजी मेहता और
श्रीमती पीरोजा रुमी मेहता ।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुआए;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-के में पर्याप्तिकृत
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 109, जो जल दर्शन, एस० नं० 44, एच नं० 1
(पार्ट), 2(पार्ट), रुद्धिया पार्क, जुहु, बम्बई-400049 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2ए/37ई/33864/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1986
को रजिस्टर किया गया है ।

ए० वैद्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2ए, बम्बई

दिनांक : 12-1-1987

मोहर :

श्रेष्ठ बाई दीप एवं एस

बापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्यापकार बाबूलल (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी 1987

निदेश सं० आई-2/37 ई०/34271/85-86—अतः

ए० बैद्य,

बापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किंतु इह इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विवरास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 4 जो जयहिंद सोसाइटी बम्बई-49 में स्थित है (और इसमें उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायातीय बम्बई के रजिस्ट्री तारीख 29 मई 1986 को पूर्णता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रखाना प्रतिक्रिया के लिए अनुरित की गई है और मुझे वह विवरास करने का कारण है कि यथापूर्यांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रखाना प्रतिक्रिया से, इस रखाना प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) वौर अन्तरितो (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया, विवारितियुक्त उत्तरेश वे उक्त रखाना लिखित में बाल्यांकन कर दे करियद गही किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब तकी बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देवे के बन्तरक के बाल्यांकन देवे का उसके बाल्य में लूकिया नहीं है; बोहुपा

(म) एसे किसी बाब या लिखित बाब या अन्य बाल्यांकों को लिखूँ भारतीय बाब-का अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम बापकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा दर्शाया जान्तुरीती बुदाय उक्त वही किया जाए या या लिखा जाए जाहिए या, कियाने से सुरक्षा हो सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

4-456GI/86

(1) श्रीमती अरुना गमचन्द्र कीलावाला
श्री नितीन आर० कीलावाला और
श्री दिलीप आर० कीलावाला ।

(2) श्री भवेश बालकृष्ण बालीया
श्रीमती पुण्या बालकृष्ण बालीया और
श्री बालकृष्ण छगनमल बालीया ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालीपे ॥—

(१) इस दृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख १५ दिन की अवधि या उत्तममध्यभी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति वाले भी स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(२) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख १५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितवृष्टि किसी वन्य व्यक्ति द्वाया बधाहस्ताकारी के वाले विद्वित में किए जा सकें ।

लालीकरण :—इसमें प्रयुक्त वार्डों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधार्य 20-के विभागित हैं, वही वर्ण होंगा, जो उस अधार्य में दिया जा दूँगा ॥

अनुसूची

"फ्लैट नं० 4 जो प्लैट नं० 56 जयहिंद को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड एन० एस० रोड नं० 10, बम्बई-400049 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ई०/34271/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० बैद्य

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 12-1-1987

माहेर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाजार बाधुत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई विनांक 12 जनवरी 1987

निदेश सं० आई-2/37ई/33975/85-86—अतः
मुझे, ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 27, सर्वोदया इंडस्ट्रियल
प्लॉट अधेंरी (पु०) बम्बई 93 में स्थित है (और इसमें उपाध्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
मामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कथ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख
9-5-1986

क्वो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार्र बनेने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरीत द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स सीनो इन्डेशन बोल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड।
(अन्तरि. त
(2) मेसर्स श्रद्धा मेकेजिंग प्रायवेट लिमिटेड।
(अन्तरिती)
(3) श्रीमती नफीजा मूस्ताफा मेहता।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांग्रेस भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास
लिखित में छिए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"युनिट नं० 27 जो तल मैंजिल सर्वोदया इंडस्ट्रियल
प्रीमायसेस को० आप० सोसायटी लिमिटेड, महाकाली केल्लूज
रोड अधेंरी (पु०) बम्बई-400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37ई/33975/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
9-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-1-1987

मोहर :

संक्षेप वार्ता द्वारा सूचित
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन बचना

भारत विद्युत
कार्यालय, नाहायक आयकर आयकर (प्रिवीलेज)
प्रजन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी 1987

निदेश सं० अई-2/37ई/34044/85-86—असः
मुझे, ए० वैद्य,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 84 (पार्ट) गुडवली विलेज
अधोंगी (पु) बम्बई में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई से रजिस्ट्री है दिनांक 16-1986
को पूर्वक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्वयमान प्रतिफल है, एवं द्वयमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरुको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरुक के लिए तथ पाया जाना
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरुक जिवित में
वास्तविक रूप से कार्यरत नहीं किया गया है ॥—

(क) अंतरण से है इसे किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरुक के दायित्व
में किसी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) एवं किसी बाय या किसी अन्य वा कम्ब वास्तवियों
को किन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा
के लिए।

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) अशोक कन्स्ट्रक्शन को० और श्री पी० डी०झीला
(अन्तरक)
(2) श्रीमती सुमना एम० शामवाग ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया दृक् लिखा है ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ० शी वालों पर—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाल
नियम में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 84(पार्ट) गुडवली
विलेज अधोंगी (पु) बम्बई में स्थित है।
अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37ई/34044/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
16-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 12-1-1987
लोहर

प्रस्तुप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी 1987

निदेश सं० आई-2/37ई/34132/85-86—प्रतः
मुझे, ए० वैद्य,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 217 विलेज मोग्रा अधेरी
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करागनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 9-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) मेसर्सैंसी० के० विल्डर्स ए४ डेव्हलपर्स ।
(अन्तरक)

(2) मनीशंकर राम शर्मा ।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यालयित्वा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर)
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

अनुसूची

“जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 217 सीटी एस
नं० 368/59 विलेज मोग्रा अधेरी बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ई/34132/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
19-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 बम्बई

तारीख: 12-1-1987

माहूर :

श्रेष्ठ शाहौ. दी. एस. एस. १९८७

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

श्रेष्ठ शाहौ. दी. एस. एस.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई० ० एस०/एक्यू/7/37ईई/5-86/
3046—अतः मुझे, वी० के० मंगोद्वा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'आयकर अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सकाय प्राधिकारी को यह विवाह करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूमि
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० वी-201
6, औरंगजेब रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) नई दिल्ली में भारतीय आयकर
प्रधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूमि से कम के दूसरान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
भूमि, उसके दूसरान प्रतिफल से, एसे दूसरान प्रतिफल के
बच्चे प्रतिकृत से अधिक है और बंतरक (उत्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) हैं तो एसे बंतरक के लिए सम पाता
है कि विवाह किया जाए तब भूमि से उक्त बंतरक उचित
में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरै किसी बाब की खावह, उक्त
विविधव के अधीन कर देने के बंतरक ने
दूसियों में करने या उससे अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी बाब का जिसी भूमि या जम्ब वासिताओं
की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
रक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवोलार्थ अन्तरिती इवाय प्रकृत नहीं किया यदा
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में दूसिया
के लिए।

अतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, विवाहित व्यक्तियों वर्ता० ४—

(1) असंल प्रोपट्रीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लि०
115—असंल भवन 16-के० जी० मार्ग
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स रियल इन्वेस्टमेंट कम्पनी लि०, 222,
मेकरस चैम्बर्स-4वां खंड नारीमन घाँट,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह दूसरा बारी ब्रूके पूर्वोक्त विवाह के बर्चन में दिय
कार्बनाइज़ेशन भूमि करता है।

यह विवाह के बर्चन में दिया जाता है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की बर्चित या तस्वीरित व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की बर्चित, जो वी
वर्चित बाब में सकार होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भूमि हितवद्ध
किसी बन्य व्यक्ति द्वारा व्यापार व्यापारकारी के पास
निवित में किए जा सकें।

लक्षणकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
विविधव के अध्याय 20-क में परिचारित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० वी-201, 6 औरंगजेब रोड, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोद्वा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 13-1-1987

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.बड़. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7

नई दिल्ली-110029, दिनांक 13 जनवरी 1987
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/एस० आर०-3/
5-86/609—अतः मुझे श्री वी० के० मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इसमें
इसके बाबत 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, विवाह के बाबत ग्रूप
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो प्लाट नं० ई-183,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का

16) के अधीन तारीख मई 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमाल
प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और भूमि भह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमाल प्रतिफल से, एस० इस्यमाल प्रतिफल के
पृष्ठ प्रतिवाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आई
अंतरीली (अंतरीतियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पासा
द्वारा प्रतिफल, निम्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीपत नहीं किया जा सकता है—

(ख) अन्तरण से हुए किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन आर वर्गे के अन्तरक व
शायद गों की भरने वा उससे वर्धने गों स्थिति
के विवर; आर/जा

(ख) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्थिति
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नसिद्धि व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सोमनाथ गंजू सुपूत्र स्व० श्री ताराशंद जैन
गंजू ब्लाक एन-मकान नं० 6वी साकेत नई
दिल्ली, (2) श्रीमती प्यारी गंजू पल्ली स्व० श्री श्यामनाथ
गंजू, 2-डी-12/ए लाजपत नगर, नई दिल्ली,
(3) श्रीमती रीतू कौल पल्ली श्री सुशील कौल
सुपूत्री श्री श्यामलाल गंजू, निवासी डी-40
पम्पोस एन्कलेब/ग्रेटर कैलाश 1 (4) श्रीमती अनीता
टेंग पल्ली श्री सुरिन्दर टेंग सुपूत्री स्व० श्यामलाल
गंजू, निवासी पाकिट 14-ए, हाउस नं० 13
कालकाजी एक्सटेशन, नई दिल्ली (5) मिस वीना
गंजू सुपूत्री स्व० श्यामलाल गंजू, (6) संजय गंजू
सुपूत्र स्व० श्यामलाल गंजू, निवासी-2-डी-12/
ए, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स आरोही प्रापर्टीज प्रा० लि०,
एस-150, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली द्वारा
डायरेक्टर राकेश जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बात में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित गैंग्रेस पर्सनों।

कल्पीकरण:—इसमें उपकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याद 20-ए में परिभ्राप्त हैं
वही शब्द होपा जा उक्त अध्याद में दिया जाता है।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्र विवरिंग नं० 183 ब्लाक ई-तादादी
250 वर्गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
वी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-7 मई दिल्ली

तारीख: 13-1-1987

माहूर :

क्रम शार्ट-डी-एन-इष्ट

वायव्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

क्रमांक सूचना

कार्यालय, तात्पात्रक वायव्यकर वायव्यता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 13 जनवरी 1986
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/5-86/एस आर-3/

597—अतः मुझे श्री वी० के० मंगोला
वायव्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकान अधिकारी को कह विवास करवे का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूमि
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो प्राप्ती वियरिंग नं०
एम-227 ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली में स्थित है
(और इसमें उपाबृंह अन्तर्भूमि में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मई 1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूमि हे कम ही अवधार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
भूमि, उसके स्थगान प्रतिफल से, एसे स्थगान प्रतिफल के
पूर्ण प्रतिवर्त से अधिक है और बंतरक (बंतरक) बहु बंतरिली
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब यामा गया प्रति-
वर्त, निम्नलिखित उल्लेख ते उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कारित नहीं किया जा रहा है—

(ए) वायव्यता वं 'कृष्ण' किसी भाव की वायव्य, वायव्य
अधिनियम के वर्णन कर देने के वायव्यता वं
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) एसी किसी भाव वा किसी भूमि वा कम्ब जास्तियों
की, जिसके बारीब भाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
वर्द-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
वे द्वयोद्वार्द्ध अन्तरिली इतारा इकट्ठ कर्त्ता की किया जाया
वा या किया जाया प्राप्ति वा, किसी भूमि की जास्ति
की लिए।

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनिल सरीन, (2) संदीत सरीन, (3) मिर्स स सविता
सरीन, एम-22 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) मेसर्स शियटिव होल्डिंग प्रा० लि० कैलाश
अपार्टमेंट, नई दिल्ली, वारा-जायरेक्टर अमरजीत
सिंह नन्दा।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब ते
45 दिन की अवधि वा तत्त्वांभी व्यक्तियों वा
सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकहूँ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकरी के पाद
निश्चित दें किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंगोला

प्राप्ती वियरिंग नं० एम-227 तादादी 300 वर्ग
गज, कुल तादादी 400 वर्ग गज, स्थित ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

वी० के० मंगोला,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक वायव्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

तारीख: 13-1-1987
मोहर:

बाण बाई, डॉ. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्वेश स. आई. ए. एस.०/एक्यू/7 एस आर/3/5-86/

634—अतः मुझे श्री वी० के० मंगोला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पासात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो सी-124-वी
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावदू
मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टव्यान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टव्यान प्रतिफल से एसे हैरान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत वृंद अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) आयु
अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल, किसीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी वाय की जावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एवी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तीनी
स्थानीय वाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:—

(1) अरुण मित्तल, ई-18, ग्रेटर कैलाश एन्कलेज-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) अलो प्लाट लिमिटेड, रत्न ज्योति, छठवां छंड,
18, राजिन्दर प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्बन के विषय
कार्यालयों कारू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी जाहोरका—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिध आद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित हो किए जा सकेंगे।

सम्पटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, ये व्याय 20-क में वरिज्ञायित
हैं, वही वर्त होंगा जो उस व्याय में विषय
गया है।

मन्मुखी

मी-124-वी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

श्री० के० मंगोला
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

तारीख: 13-1-1987

मोहर:

प्रकृष्ट वाइ.टी.एस.एल.-----

(1) मेजर जरनल सत्यपाल बोहरा, बी-8, वेस्टेंड
कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना(2) मेमर्स दीपसू ब्रिडिंग प्रोडक्ट प्रा० लि०
बी-8, वेस्टेंड कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस आर-3/5-86/645-

अस्त: मुझे, श्री बी० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो प्लाट नं० 117-डी,
श्रीदयोगिक भेत्र (ग्रोखला) फेस-1, नई दिल्ली में स्थित है
(श्री इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख मई 1986जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पूर्व ही प्रतिष्ठित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में यद्यपि उक्त बाबत उक्त अन्तरण के लिए अ०/था

(इ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भारतीय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने से सविक्षा के लिए,

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आश्वेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में लित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्थलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जनूत्तम

प्लाट नं० 117-डी, तादादी 499.79 मोटरस, तया
ग्रोखला श्रीदयोगिक भेत्र, फेस-1, गांव बहारपुर, नई दिल्लीबी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 13-1-1987

गोहर

अन्तरिती अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, यौं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अन्तरिती अधिनियम व्यक्तियों, अधित् १—

प्रकाश वाहन, टी. एम. एस. - - - - -

धाराकार अधिनियम, 1961 (1961 व्य 43) को
धारा 269-३ (1) के अधीन सुचना

અનુભૂતિ

कार्यालय, सहायक वायकर वायकर (निरीक्षण)

ਅਰਜੰਨ ਰੇਂਜ-7, ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० ७/एस० आर०-३/५-८६/६५५-ग्रतः

मुख्ये श्री वी० के० मंगोला

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषय इसमें
प्रधानत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के
अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
व्यावर संपर्सि जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जियकी सं० है तथा जो ए-३०९, लिफेंस कालीनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन तारीख मई १९८६ को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तररत की गई है और मध्ये यह विवास करने का कारण है कि यथा पर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कार्यकारी नहीं किया गया है:—

(क) उस्तरन वे हुए लिखी वाप की वापत, उस वापिधिवद को अधीक कर देने के उस्तरन वे परिवार में कर्त्ता करने या उस्तरन वापत में हुए वाप जे लिख; और/वा

(४) दूसरी किसी बाब या किसी भन या बाब वालियाँ
हो, जिन्हें भास्तीय बाबकर बृथिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्च बृथिनियम, या
भन-कर बृथिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पश्चात्तर्वार्ष अंतरिती बाबारा प्रकट गई किया गया
या या किया गया चाहीए था, जिसने मे लूपिता
ते थिए।

जल्द: यह उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन निम्नान्वित अधिकारों, अर्थात् ३—

(1) श्री देवराज शर्मा, अशोक कुमार जैटली, विनोद कुमार जैटली, शशि शर्मा, मिसेस रानी शर्मा, मिसेस अरुणा शर्मा, मिसेस अंद्रावती, निवासी-ए-309, डकेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) रमेश चन्द्र चोपड़ा, ई-37, जंगपुरा एक्स्टेंशन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

काँ यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए कार्यवाहिया शरू करता है।

अत व्यतिरिक्त वर्षद की सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष ३—

(क) इस सूचना के एवजप्त वो प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अवधि वा उत्सम्बन्धी अविवाह दर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अवधि वाले वो समाप्त होती हों, वा भीतर पहोंकर अविवाह वो से किसी अविवाह दराएँ:

(iv) इस सूचना के एवं प्रकाशन की तारीख है 45
दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पूर्ण में हितव्यवधि
कियी जाय व्यक्ति इवाच ज्ञात्वा इसका कारी के पास
दिलाई दें किये जा सकेंगे।

संक्षेपितरण :—इसमें प्रधानत वायरों और वायरों का, वायर का विविधता, के वायरों 20-के बीच विविधत गया है।

४८५

बाई स्टोरी बिल्डिंग, प्रापर्टी बियरिंग नं० ए-३०९,
डिक्सें कालोनी, नई दिल्ली, तालाबी २२४ वर्ग गज।

वी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : १३-१-८७

मोहर

प्रस्तुत आई. टी. ए. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निरीक्षण सं० आई० ए० सी०/एच्यू/-7/5-86/649-

अतः मुझे श्री बी० के० मंगोला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सहजे पद्धति 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपांचल अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1986
का पूर्णत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अधिक है तथा
प्रतिफल के लिए बंतरित की जाए है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके बद्यमान प्रतिफल से, एसे तरह ताम प्रतिफल का
वर्णन प्रतिक्रिया से अधिक है और अंत तक (कै. रक्षा) और बंतरिती
(नन्तरितीयां) के बीच एक बद्यरूप के लिए तथ वस्ता वका
वा प्रतिफल विनाशकर उद्देश्य से उचित बंतरित विविध वें
प्रतिक्रिया कर जे विविध वस्तु विवर नहीं हैं ।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्ती
अधिनियम के अधीन कर जने के अन्तरक के दायित्व
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः मुझ, उच्च अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में, मैं, उच्च अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा—(1) मेससे इस्टर्न एकोरेट (दिल्ली) प्रा० लि०
द्वारा डायरेक्टर मनजीत सिंह

(अन्तरक)

(2) कैलाश रानी कालडा, श्री हरजीत सिंह और
श्री मनजीत सिंह बी-8/25, कृष्णा नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उच्च सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी वाक्य—

(क) इच्छना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।विवरण :—इसमें प्रदत्त सम्बों और व्यापों का, जो उच्च
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त हा जा जो उच्च अध्याय में दिया
गया है ।

मन्त्री

बनी प्राईं नं० 286, अलाक-८, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।श्री० के० मंगोला
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 13-1-1987

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आधिकारिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं. आई.ए. सी.ए/एक्यू-7/5-86/37-जी/
2—अतः मुझे श्री वी.० के० मंगोलाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर अधिकारी, जिसका सचिव बाजार भूमि
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. है तथा जो एस-253, ग्रेटर कैलाश
भाग-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल वा
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से छूट है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में मंजिला के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)¹
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भई, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—(1) श्री पंकज पाहवा, सुपूत्र एस० के० पाहवा
पृष्ठ-102, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।
(अन्तरक)(2) जिगेडियर एम एल गेंद सुपूत्र लालचंद गेंद,
डा० मिसेस बनीता गेंद पत्नी श्री एम० एल० गेंद
निवासी-जी एफ-253, ग्रेटर कैलाश-1, नई
दिल्ली।
(अन्तरिती)को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिंदु
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेश :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउड फ्लोर फ्लैट दापटी नं० एस-253, ग्रेटर कैलाश
भाग-1, नई दिल्ली।वी.० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 13-1-1987

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बिटोनी एन जी थेविलडसन, 64, गोल्फ लिक्स, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स डुनकेंस एंड्रो इंडस्ट्री लिं, डुनकेन हाउस, 31, नेपाली सुभाष रोड, कलकता।

(अन्तरकर्ता)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7,

4/14ए, आपकर अधीन सूचना नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-7/एस० आर०-3/

5-86/624—अतः मुझे, बी० के० मंगोला

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 1, पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्थ अन्तरीत बाबारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

1, पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली। तारीख 34514
वर्ग फीट।

बी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित वर्षितायों, अथवा

तारीख : 13-1-1987

मोहर :

प्रारूप नाइ. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार
- कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज-7,

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी, 1987
निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/-7/5-86/625/

एस० आर०-३—प्रतः मुझे, वी० के० मंगोला,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० इ-255, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध ग्रन्तुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1986
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित करे गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एर्हे दस्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक २३ और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नान्तर अंत उद्वेष्य से उक्त अंतरण असंक्षिप्त में वान्निक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(1) श्री सतिन्दर सिंह, सी-211, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नन्द लाल जुनेजा, दिनेश कुमार जुनेजा और
राकेश कुमार जुनेजा, निवासी ए-1/71, सफदर-
जंग एक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी वास्तव—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) उक्त से हुई अक्षी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दावित में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/वा

ग्रन्जन

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भग या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

इ-255, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज-7, नई दिल्ली

अन्तर्गत अवधि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
ए. भौ. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 13-1-1987
मीहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्य०-7/एस० आर०-3/
5-86/616—अतः मुझे, बी० के० मंगोला,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा था है), की भारा
269-व के वर्तीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विवक्षक उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-282 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-
1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावस्था अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1986
को पूर्णिमत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवरण
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त द्वयमात्र प्रतिफल से, एवं उक्त द्वयमात्र का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिक्षी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
भवा दातुपत्र, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अंतरण निर्दिष्ट प्र
मास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया था है:—

(१) लेटर ऑफ द विली वाय की वाल्ड, उक्त
अधिनियम के वर्तीन कर देने के अन्तरक के द्वयमात्र
में की जाने या उक्त द्वयमात्र से दूरिता के लिए,
विवरण

(२) ऐसी किसी वाय या किती भन या बन्ध वालियों
प्रबंध अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोलार्व अंतरिक्षी द्वारा उक्त नहीं किया
जो, विन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
वह या या किसी वाया काहिए या लियावे प्र
स्त्रीयता वी लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के वर्तीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वापाम ५—

(१) श्रीमती गुणवंती के० भम्भानी पत्नी स्व० किशीन
मूलचंद भम्भानी २, सुनील भम्भानी ३, अनिल के०
भम्भानी, १-१८, कैलाश कालोनी नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(२) एस पीटर सतवंत सिह, २. सरदारनी सरप्रबीन
कोर, ३. धनवंत सिह ४ एस हरवंत सिह, ए पीटर
सतवंत सिह, (एच यू एफ) एस-४५३, ग्रेटर
कैलाश-१, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्णिमत सम्पत्ति के अधिक जे लिय
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उर्जन के संबंध में कोई भावाक्षेप :—

(३) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख १५
दिन की बर्बाद या उत्तममध्यमी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की बर्बाद, जो भी
बर्बाद या या समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिमत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(४) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हात-
दृष्टि विश्वी वन्द व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताकरी
या विविह वा इत्या वा उक्ते।

लक्षणांकन :—इसने प्रयुक्त वाल्ड और पक्षे का, वा उक्त वाय
निवाय के वर्धाय २०-व में वरिभान्ति है,
वही वर्ध होन्मा जो उस वर्धाय में वर्धा
या है।

अनुसूची

प्राप्ती नं० एस-२८२, तादादी २०६ १/२ वर्गगज
ग्रेटर कैलाश-१, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-११०००२

तारीख: 13-1-1987

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/७०एस आर-३/५-८६/
६१५—अतः मुझे, श्री वी० के० मंगोला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो सी-48 प्रेटर कैलाश-1, में
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्यसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1986
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल से एतें दृष्टिमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकें) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एतें किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४—

(1) श्रीमती सुमित्रा अग्रवाल, सी-48ए, प्रेटर
कैलाश-1, नई दिल्ली।

(प्रत्यक्ष)
(2) मास्टर अनंज मंगलानी और अन्य, 162, 16वा
बड़, सोलिज बिल्डिंग, नेपियन सी रोड, अम्बा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंगोला

सी-48ए, प्रेटर कैलाश-1; नई दिल्ली, अप्रैल 417
वर्ग गज।

वी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

तारीख: 13-1-1987

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आद्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत व्रकार

कार्यालय, सहायक आद्यकर आपूर्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई.टी.एन.एस./एक्यू/7/5-86/613—
अतः मुझे, वी० के० मंगोद्वा,
आद्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो एस-274, ग्रेटर कैलाश-2
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्तसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1986
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुझे बहु विष्वास करने का कारण है कि यथा

पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरण (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है ॥—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक की
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आद्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किना जाना चाहिए था, छपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—456GI/86

(1) श्रीमती उषा० सच्चदेवा० द्वारा डा० सी० ए० सच्चदेवा०
पिता और श्रीमती सुधा गोगिया, 3-वर्षियांग०,
नई दिल्ली।

(प्रत्तरक)

(2) एम्बेनियस कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०, 136, एस-
एफ-एस, हौजखास, नई दिल्ली।

(प्रत्तरिती)

जै यह सूचना आरै करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वृत्ति के लिए
कार्यालयियाँ शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तरी के लाल
लिखित अंदेश द्वारा लगाने ।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ स्पेश्या जो उस अध्याय में दिया
गया है ॥

ननूसूची

प्लाट नं० एस-274, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली;
तादादी 319 वर्ग गज ।

वी० के० मंगोद्वा०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आद्यकर आपूर्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

तारीख: 13-1-1987

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. - १ -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कल्पराजिप, जहायक आयकर आयक्षण (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/७/५-८६-एस आर-
 ३/६५३—अतः मम्मे श्री बी० के० मंगोदा
 बायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा-
 २६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विवास करने का
 भारत है कि स्वावर उभासि, चिक्क उभित नाबार जल्द
 १,००,०००/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो सी-219, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायकार्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्तावेज प्रतिफल से इसमें उपर्याप्त रौप्यफल ना पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकारों) को योग एवं अन्तरक को सिए तरव गावा व्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वर्ते वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(८) बंधारण वे दूर्द किसी वायर की वायर, जब वैकिसी वे वायर कर देते वे बंधारण वे दूर्दित वे किसी वायर का उपर्युक्त वायर वे दूर्दित के दूर्दित

(क) दोस्ती किसी वार वा किसी घर वा घर का वासिन्दाओं
वो चिह्न भारतीय वायकर वायनियम, 1922
(1922 का 11) वा उस वायनियम, वा वय-
65 वायनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ असहित शुल्क प्रकट नहीं किया जाए
वा वा किसी जाता चाहिए वा किसी वो दूसिया
के लिए।

जब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार प्र० ए०, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थति :—

(1) एगोडियर एम० एजल गेव, एस-253, ग्रेटर
कैलाश-1, नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती आशा दुआ 2. श्री किशनलाल दुआ, सी-219, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिए वार्षिकांतियां करता है।

उक्त सम्बन्ध के अर्द्धन के संबंध में कोई भी आधिकारिक :

(४) इस वृक्षगति के अधिकार में प्रकाशित की जारी रख 45 दिन की अवधि या तात्पर्यान्वयी व्यक्तियों द्वारा वृक्षगति की जारीत तक 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(८) इह तृष्णा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तेरह दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्युति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभावहस्ताक्षरी के पास दिया जाना चाहिए।

स्वास्थ्यकार्य:—इसमें प्रथम सर्वों कीदू पहों का, जो उच्च वायुप्रदायक के वर्भाव 20-के पर्याप्ति दृष्टि, वही वर्ष होता हो उस वर्भाव के दिवा वर्षा है।

1008

प्राप्टी विर्टिंग नं० सी-219, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ९ तापादी ३२५ वर्ग गज।

वी० के० रंगोदा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेज-7, नई दिल्ली

तारीख: 13-1-1987

मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बायकर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/5-86/एस आर-
3/646—मत: मुझे श्री बी० के० मंगोला
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्लाट नं० एम-177,
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवात
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवात प्रतिफल से एसे व्यवात प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा यापा या
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
व्यापक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अंतरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दवने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(द) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रदोषवार्ष बन्तरीती द्वारा प्रकट वही किया वदा
या वा किया जाना चाहिए था, जिसने वे द्वितीय
वे लिए।

वक्त: वदा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाया (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पृथ्वीराज कोहली, 360, चांदीचाली गली,
पहाड़गाज, नई दिल्ली।

(प्रत्तरक)

(2) श्री सी० एस जैन, द्वारा श्री राकेश जैन, एस-
150, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(प्रस्तरिती)

और यह सूचना आरै करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थ में विषय
काव्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की वाकीत से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सेदार
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकरी के वाय
विकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्य 20-क में पर्याप्ति
हैं वही अर्थ होना जो उक्त व्यवाय में विद्या
गया है।

मृत्यु

प्लाट नं० एम-177, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
तावादी 400 वर्ग क्षेत्र।

बी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 13-1-1987

प्रकल्प वाई.. दी. पर. एव. एव. १९८७

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत उत्तराखण्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/७/एस आर०-३/

५-८६/१—अतः मुझे श्री बी० के० मंगोला
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर्ध जिसकी सं० है तथा जो एस-470, ग्रेटर कैलाश-
2, नई दिल्ली में स्थित है (प्रौर्ध इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिका री
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1986
को पूर्णकांश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्तके अस्यमान प्रतिशत से, एसे अस्यमान प्रतिशत का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतोरती
(अंतोरतीयों) के बीच एवं बावरण के बिंदु तब बाबा बाबा प्रधि-
करण (सम्पादितिकाल अनुदेश द्वारा उक्त बावरण विकल्प में वापसीकरण
रूप से कथित नहीं किया गया है):—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, द्वा-
रा उत्तराखण्ड अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
द्वारा व्यवसारी अन्तरिती बुलाय प्रकल्प महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
पूर्वाना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रनबीर सिंह चहल 2 मास्टर गुरदीप सिंह
चहल 3 मास्टर कुरतेज सिंह चहल द्वारा पिता
और अभिभावक श्री रनबीर सिंह चहल एस-
470, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री धर्मपाल गुप्ता 2 प्रतीप वाई गुप्ता 3
डा० मिसर्स सरोज गुप्ता 4 धर्मपाल गुप्ता
एस-470, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां पूर्ण सूचना बारौ करने पूर्वीकृत सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में बोहू भी आज्ञा०

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दूरवात्प्रभ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निक्षित में किए था रहते।

अवधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों जौड़ एवं व्याख्या तथा उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के बो० पैरामार्क्षण
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुभूति।

प्राप्ती नं० एस-470, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
तादादी 550 वर्ग गज।

बी० के० मंगोला
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 13-1-1987

मोहर:

प्रकाश बाहौदी. डी. एन. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत लाइब्रेरी

कार्यसाहित, सहायक आयकर बाबूकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/5-86/

3137—अतः मुझे, श्री बी० के० मंगोला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० 201, फ्लैट नं० 1, प्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण यह कारण है कि व्यापारियों ने उक्त बाजार मूल्य, उक्त व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का अन्य प्रतिशत से अधिक है और अंतरुक (बंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा वाया या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित दो वायावाय एवं काथत नहीं किया जा सकता है।

(ए) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबूत, उक्त अधिनियम के वचन कर देने के अन्तर्गत अदायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय बाबू-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बल्कि, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसार ने, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारों का व्यापार -

(1) भनोट प्राप्टीज एंड इंडस्ट्रीज लि०, 102, 103, राजा हाउस, 30-31, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राहुल गुप्ता और राजनाथ गुप्ता, ए-415 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वायप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या उत्तममन्ती अधिकार एवं सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हतबद्दु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम हे अध्याय 20-के में विवरित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, भनोट कार्नर, प्लाट नं० 1, पम्पोस एन्कलेव, प्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

तारीख: 13-1-1987

मोहर:

प्रलूप आई.टी.एन.एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सं००/एक्य०/7/37ई०/5-86/
3135—अतः भुजे, वी० के० मंगोल्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० 101,
भनोट कार्नर, पम्पोस एन्कलेव, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) नई दिल्ली में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख
मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
मौर/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के «प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भनोट प्रापर्टीज एंड इंस्ट्रीज लि०, 102, 103
राजा हाउस, 30-31, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स राहुल गुप्ता एंड मिस्टर राजनाथ गुप्ता
ए-415, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लाप्तीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, भनोट कार्नर, प्लाट नं० 1, जी
के०-I, पम्पोस एन्कलेव, नई दिल्ली। लगभग क्षेत्र 500
घर्ग फीट।

वी० के० मंगोल्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 13-1-1987

मोहर :

सूचना बाइंटी.एन.एस.-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
साता 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत राजसभा

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/5-86/
3047—अतः मुझे, श्री बी० के० मंगोला,
भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्हें
इसी पृष्ठात 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की भारा
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी और, यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वापार मूल्य
वापार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० बी-1, 6
ओरंगजेब रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद
मनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) सहायक आयकर
आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मई 86
की पूर्वानुसारी अधीनियम के उचित वापार मूल्य से कम ही स्थावर
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि वापार्टमेंट सम्पत्ति का उचित वापार
मूल्य, उसके स्थावर प्रतिफल से, एसे स्थावर प्रतिफल का
उक्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (बंतरक) और अंतरिक्त
(अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब यादा यादा
प्रतिफल निम्नलिखित उपलेख से उक्त अन्तरण लिखित में
कानूनीकृत रूप से अधिकतम बहुत किया यादा है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिकृत नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए;
जौर/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्जाली अन्तरिकी व्यापार प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) अंसल प्राप्टीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 115—
अंसल भवन, 16, के० बी मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) मेसर्स मेक इन्वेस्टमेंट लि०, 222, मेकर एम्बर्स
4, पाचवां खेड, नारीमन प्लाइट,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वानुसारी सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सूचना के अधीन से सूचना में छोटी शी आलोचना है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वान्वीष्ट व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वानुसारी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्यों

फ्लैट नं० बी-1, 6, ओरंगजेब रोड, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोला
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 13-1-1987

मोहर:

प्रस्तुप बाईं.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/5-86/
3045—अतः मुझे, बी० के० मंगोला,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के
अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो बी-2, 6, ओरंगजेब
रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन तारीख मई 1986

को पूर्णकाल के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के भी ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इक्सी किसी जाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व
में कमी करने था उससे बचने में सूचिधा के लिए;
बात/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भूमि या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दिवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी :—

(1) अंसल प्राप्टीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 115,
अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) मेन्स जगत आनंद हॉटेल मेंट ट्रेडिंग कम्पनी
लि०, मेन्स चैम्बर्स-4, पांचवा ब्लॉड, 222
नारीमान प्लाइट, बम्बई।
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गम्भीर के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या लक्षणबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब भूमि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी व
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस बायाय में दिया
हो।

अनुसूची

बी-2, 6 ओरंगजेब रोड, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोला
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 13-1-1987
मोहुड़

प्रकृष्ट जाइ^१, टौ, एन., एन., ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग
269-प (1) के अधीन यहना

प्राचीन भारतीय

संस्कृत, असाध्य वाक्यार्थ वाचन (प्रतीक्षणी)

अर्जन रोड-7, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110 002, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई/5-86/3043-
अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,
बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषय इसमें
इसकी पश्चात् 'चक्र अधिनियम' कहा गया है), की वारा
269-के अंतीम सभी प्राधिकारी को यह विवास करने का
आरम है कि स्थावर संपत्ति, विषयका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०, फ्लैट नं० बी-101 है, तथा जो 6, और रंगजेब रोड, नई दिल्ली में स्थित (और इससे उपाव द्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) साक्षात्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विकास करने का द्वारा है तिथि व्यापारियोंका संघर्ष का एक धर्म मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब यह ग्राम प्रतिफल, विस्तरित उद्देश्य से उत्तम व्यापारियों में व्यापक रूप से वितरित नहीं होता व्यापारियों

(क) बैचर्स ने इह किसी बात की वापर, उत्तम विविधता के अधीन कर देने के अन्यतर की वापरत में कभी करने वा इसमें वापर में हाविधा न किए। बार्ट/आ

(८) हेसी किसी वाय या किसी घम या अन्य वास्तियों
ओं विन्ह भारदीय भावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रदोषनार्थ बस्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया गया चाहिए था, छिपाने के लिए:

कहते थे, उन्होंने अधिकारीयम की धारा 269-ए के अनुसार
मैं, मैं, उन्होंने अधिकारीयम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
में अनुसार अधिकारीयम की धारा, अधिकारीयम 7-456GI/86

1. अंसल प्रोपर्टीज एन्ड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड
115 अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली ।

(श्रावक)

2. मैसर्स कंखल इन्वेस्टमेन्ट प्रॅड ट्रेडिंग कम्पनी,
मेकर्स चैम्पर्स, -4, 5वां खंड, 222-नारीमन बाइक्टन,
बम्बई ।

(अन्तरिती)

औ वह सूखना आरौ करके पूर्णकृत सम्मति के वर्षन के सिए कार्यवारीहियो करता है।

ਤਾਕਿ ਸੁਲਾਇ ਹੈ ਪਚਾਂ ਵੇਂ ਸੁਵੰਤ ਸੋਂ ਕਾਹੋਂ ਮੀਂ ਬਾਖੇਂ :—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वधियां या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की वधियां, जो भी व्यधि याद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रयोग्यता, जिसमें से किसी व्यक्ति द्वारा;

(न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिंगस्त में किए जा सकते हैं।

परम्पराएः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च विधिनियम के अध्याय 20-के में परिचयित हैं, उही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

20

फ्लैट नं० बी-१०१, ६, ओरंगज़ेब रोड, नई दिल्ली।

बी०के० मंगोद्धा
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेंज 7, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-1-1987

मोहर

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सामायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/5-86/3044--

अस: मुमे, श्री वी० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-301 है तथा जो 6 ओरंगजेब रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) सामायक आयकर आयकर आयकर अधिनियम 1961 अर्जन रेज-7 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन विनांक मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

(क) अंतरण से हुए किसी वाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी भन या वन्य वासियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती दृष्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए।

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अंसल प्रोपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड

2115 अंसल भवन 16-के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स निक्खी इन्वेस्टमेंट, कम्पनी लिमिटेड

222 मेकर्स चैम्पस-4
पांचवां खंड नरीमन प्लाइट
बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाना करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाही करना है।

उक्त संपत्ति के बाबत के मामले में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रत्येकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, जो व्याय 20-क में परिवर्तित है, यही अर्थ होगा जो उस व्याय में दिया गया है।

मंगोला

फ्लैट नं० बी-301, 6, ओरंगजेब रोड, नई दिल्ली ।

वी० के० मंगोला
मकाम प्राधिकारीसामायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-7 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-1-1987

मोहर :

प्रकृष्ट बाहौ. टी. ए. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं. आई.ए.सी.०/एक्यू.०/7/37ई.५-८६/३०४२—
श्रृंग: मुझे, वी.० के.० मंगोला,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. प्लैट नं. ए-202 है तथा जो 6 ओरंगजेब
रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 7 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन दिनांक मई 1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे दूर्यमान प्रतिफल का
पांच इकायत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल भिन्नभिन्न उद्देश्य से उक्त अन्तरण भिन्नभिन्न
वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :—(अ) उच्चारण के हैं किसी आव जौ वाला, उच्च
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दूर्यमान में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ब) एसी किसी आव या किसी इन या अन्य आंसूयों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकृष्ट नहीं किया था
या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घराति—1. अहल प्रोपर्टीज एन्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड
115 अंसल भवन 16 के० जी० मार्ग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स प्रदीप संदीप ट्रेडिंग एन्ड इन्वेस्टमेंट प्रा० लिमि०
21, न्यू मेरिन लाइन, अम्बई।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से यिसी व्यक्ति इवारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. ए-202 6 ओरंगजेब रोड, नई दिल्ली ।

वी.० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली-110002

दिनांक 13-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/7/37ई०/5-86/
3101—अतः मुझे, श्री वी० के० मंगोलाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन, सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लेट नं० 3-ए है तथा जो रोहित हाउस टालस-
टाय मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाव द्व अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन तारीख मई 1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के अन्यथा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके अन्यथा प्रतिफल गे, यस दण्डने प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिवत से अधिक है और अन्तरक (बंतरक) और बताईरी
(बंतरीरीत) के बीच ऐसे वंशरण के लिए तथा यादा गया प्रति-
फल निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्दरण निवित में बास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है—(ए) बतारण है इसे किसी बात की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लालचन
दे करी करने का उद्देश्य ने दूरिता के दिए
जाएंगे।(ब) दसों दिनों बाद या दिनों बाद या अन्य बास्तविक
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा-
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व
इयोजनार्थ बन्ताई इत्यादि प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, कियाजे दे दूरिता
के दिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) इन्द्र बाहरी, 5/5, रुप नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) ऐसर्स अपार्टमेंट्स लिमि०, 204, रोहित हाउस,
टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांहै श्रीआक्षेप :—

(ए) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन को तारीख वं
45 दिन की वृद्धि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की वृद्धि, जो भी
वृद्धि वाले समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाएः(ब) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख वं
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी वन्ध व्यक्ति द्वायाएः व्याहस्ताकारी के पाव
विवित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
व्यक्तियाएः, के व्याय 20-क वं परिभाषित
हैं, वही वर्त होता जो उस व्याय वं दिया
जाता है ।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3-ए, 5वां खण्ड, रोहित हाउस, टालस्टाय मार्ग,
नई दिल्ली ।वी० के० मंगोला
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 13-1-1987

मोहर :

कानून वाले दी. पर. एव.
भारत अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की
भारा 269-वा (1) के अधीन दृष्टा
भारत सरकार

सहायक आयकर बाबूलत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/7/37ई०/5-86/3144—

अतः मझे, श्री वी० के० मंगोदा०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 312 है, तथा जो 7 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अन्तसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायरी में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुसरण में, भू. धनकर अधिनियम की भारा 269-वा की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स के० वर,
72, आनंद कोट्ट,
6, मई फीयर रोड,
कलकत्ता ।

(अन्तरक)
(2) मेसर्स जी० कुमार (एच०य०एफ०) आर०-8 66,
न्यू राजिन्ड्र नगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्तावाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के उच्चन के सम्बन्ध में काई भी वापर :—

(ल) इस सूचना के उच्चन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर दृष्टा की समीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के उच्चन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्ट-दृष्ट किसी भी अन्य अनियंत्रित द्वारा बखोहस्तानी में पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

लालौलरदः—इसके प्रयोग सम्बोधी और पर्वी का, जो उक्त अधिनियम, ये अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही वर्ष हैं, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

ममृतस्त्री

फ्लैट नं० 312, श्रीर कार पार्किंग, प्रकाश दीप, /, दालहोली मार्ग, नई दिल्ली ।

वी० के० मंगोदा०
उक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 13-1-1987

मोहर :

प्रकाश आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई विल्सी, दिनांक 13 जनवरी 1987

निवाश सं० आई० ए० सी० पृष्ठ० /7/37ई०/5- 86/3097-

अतः मुझे, वी० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एन-115ए, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपांचाल अन्सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली में
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई,
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
एन्हें प्रतिवात सं अधिक है और अन्सूचक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्सूचने के लिए तब
पाया गया प्रांतफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्सूचना
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव को बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दणे के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या जन्म जास्तीयों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अन्सूची, अधिकृत :—

(1) उषा खन्ना, एन-115ए, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) शशि भग्न गुप्ता, वी-26, कैलाश, कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी बरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इह सूचना को राष्ट्रपति को तारीख से
45 दिन की अवधि या उसमें अविकल्पीय पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
सम्पत्ति में से किसी अनियन्त्रित दृष्टान्त

(ख) इह सूचना को राष्ट्रपति को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में नियन्त्रि-
क्षण किसी अन्य अधिकृत दृष्टारा बोधाहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्तरिक्षण :— उक्त प्रयुक्त सम्बद्धी और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-के बीच परिभावित
हैं, वही वर्ष होता, जो उस अन्याय में दिया
जाता है।

अनुसूची

तल खण्ड, एन-115ए, ग्रेटर कैलाश-1, नई विल्सी ।

वी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 13-1-1987

मोहर :

रूप बाई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 110002, दिनांक 3 जनवरी 11987

निवेश सं. आई.ए.ए. सी.ए. /एक्य०/7/37ई/5- 86/
 3065—अतः मुझे, श्री बी.ओ.के. मंगोला,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सं.फ्लेट नं. डी-1, है तथा जो डब्ल्यू-6, ग्रेटर कैलाश-2
 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
 वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-7,
 नई दिल्ली में भारतीय आयकर आधिनियम, 1961 के अधीन
 तारीख मई, 1986

का पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार
 अंतरकल के लिए अन्तरित की जाए है और मुझे यह विष्वास
 करने का कारण है कि वाधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके इन्द्रियान प्रतिफल में, एसै इन्डियान प्रतिफल का
 अंतर प्रतिवर्त से अधिक है और अंतरक (अंतरक) आर अंतरिती
 (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाजत, सूचना
 अधिनियम के अधीन कर हने के अंतरक के
 दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था
 या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्च के
 लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एलाइड कल्टरेक्षन कम्पनी, 26-ए, रिंग रोड, लाजपत-
 नगर-4, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) उमेश लूथरा और डेसी लूथरा, डब्ल्यू. 6, ग्रेटर कैलाश-2
 नई दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यकार्हों द्वारा लाभ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के उर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी अविकल्पों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि वाले में सबात होती हो, के भीतर पूर्णकृत
 अविकल्पों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
 पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

बद्धूरी

फ्लेट डी-1, (प्रथम खण्ड), डब्ल्यू. 6, ग्रेटर कैलाश-2,
 नई दिल्ली।

वी.ओ.के.मंगोला
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 13-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/7 /37ई०/5-86/
3094—अतः मुझे, वी० के० मंगोला,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० डब्ल्य०-113 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई
दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-7,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
तारीख मई, 1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित
बास्तविक रूप से कथित नहीं रिक्या गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;(1) हरि राम लाम्बा, 7, विलियम कोट, हाई फील्ड हिल,
अपर नोवुड, न्यूज़ीलैंड एस-ई-19

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कैलाश अपार्टमेंट्स प्रा० लि०, चौ० हरपाल मिहू
और अन्य, 2-तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में विद्या
गया है ।

अनूसूची

प्लाट क्षेत्र तादादी 1000 वर्ग गज, डब्ल्य०-113, ग्रेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली ।वी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्लीअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-1-1987

माहूर : *

प्रृष्ठा आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 13 जनवरी 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एम्य०/7/37ई०/5-86/3123-
मत: मुझे, बी० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं०एम-36 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित (और इससे उपाध्या अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तरीख मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरों प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरों प्रतिफल से ऐसे दूसरों प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कीदित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृष्टिकोण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आँसूतयों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—456GI/86

(1) मान्हौ. विल्डर्स ई-58 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
(प्रत्तरक)

(2) मिस कुमुद सेठिया एस-220, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य वक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेसमेंट एम-36, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
प्लाट नं. (कुल) 195 वर्ग गज।

बी० के० मंगोला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-7, नई दिल्ली

तारीख : 13-1-987

मोहर :

प्रधान बहाल, टा. एम., एवं ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आडवाल (विरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/ एस्प०/7/37ई०/ 5-86/
3093—अतः मम, बी० के० मंगोला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है तथा
जो एम-36/सी० इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है, सहायक आयकर आयकर (विरीक्षण), अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मई

1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके स्थायमान प्रतिफल से, एसे स्थायमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकौ) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ
अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना आहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मल्हन बिल्डर्स ई-588, ग्रेटर कैलाश-2, द्वारा पार्टनर।
(अन्तरक)

(2) मेसर्स कनिका एक्सपोर्ट्स द्वारा सोल प्रोपराईटर्स,
गिसेस सवर्ण सेटिया एस-220, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांह भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहताकारी के पास
लिखित में छिए जा सकें।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में विभागित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुग्रही

एम-36, ग्रेटर कैलाश-II, मार्केट, नई दिल्ली। मेंजानिन-
कम लाप्ट फ्लोर।

बी० के० मंगोला
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आक्त (विरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख : 13-1-1987

मोहर :

प्रकृत बाईं, टी. पूर्ण, पूर्ण, 269-ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1987

निदेश सं. आई.० ए० सी० /एक्य०/7/37ई/ 5-86

171—अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. डी-21 है, तथा जो निजामुदीन, वेस्ट, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावह अनसूची में और जो पूर्ण रूप
वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 7,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की अधीन
[मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से ऐसे इसमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी
(अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. संतोष धमीजा और श्रीमती संयोगिता मल्होत्रा
डी-21, निजामुदीन, वेस्ट, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्रीमती तपती सिंहीकी द्वारा नयी दुनिया
2, निजामुदीन, वेस्ट, मार्किट, नई दिल्ली।

(अन्तरिकी)

की यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यमालियां सरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वस्वर्धी व्यक्तियों पर सूचना
को लापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्षणेकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मंगोत्रा

डी-21, निजामुदीन वेस्ट, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक 13-1-1987

मोहर :

प्रकाश नाम—डॉ. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारत 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जनवरी, 1987

निदेश सं० आई०ए०सी०/एस्य०/३/एस०आर०-३/५-८६/

592/6—अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 110-वी प्लाट नं० 3, ब्लाक 90, वैई रोड,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और जो
पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित कागार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
प्रद्वय प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीदित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लिखाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुधीर कुमार अरोड़ा,
110, वैई रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री आर० पी० पुरी, (एच०य०एफ०),
जी के-1, नई दिल्ली, बी० एस० पुरी (एच०य०एफ०),
ए-1, सफदरजंग, उचेलपमेंट थेट, नई दिल्ली
मिस नीतापुरी, 84, मालचा मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरित)

का यह सूचना भारती कर्त्ता पूर्वोक्त व्यक्ति के वर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त उपरित के वर्जन के संबंध में कहें भी आव्हेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए था सकेंगे।

अधिकरण :—इसमें प्रद्वय शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जा है।

नमूनी

प्राप्ती नं० 110-वी,
प्लाट नं० 3,
ब्लाक नं 90,
तादादी 2236 वर्ग फीट,
वैई रोड,
नई दिल्ली ।

अशोक कक्कड़
स म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 9-1-1987

मोहर

प्रकाश बाहौद्दी, दी. एम. इंश्योर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबकर बाबकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई रिल्सी-110 002 दिनांक 9 जनवरी 1987

निवेदन सं० आई०ए०सी०/एक्य०/३/एस०आर०/३/५-८६/
८५६/९—अतः मुझे प्रश्नोक कक्षकड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रत्यापात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन बाबकर प्राधिकारी को, वह विषयात् इन्हें का
'कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है'
और जिसकी सं० प्राप्ती नं० 5156 है तथा जो गोल्फ लिंक नई
दिल्ली में स्थित है (और हमसे उपादान अनुसूची में और जो पूर्ण रूप
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन विनांक मई 1986

से प्रत्येक दर्पणीत के उचित बाबार मूल्य एं क्या कि व्यापार
प्रतिफल के लिए अन्तर्रात की गई है और मैं यह विषयात्
इसके का बाबकर है कि व्यापूर्वोक्त दर्पणीत का उचित बाबार
मूल्य नस्के व्यापार प्रतिफल से, एंस व्यवहार प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयां) के दोष एंस उत्तरान हैं किए एंस यथा एवा
प्रतिफल, निम्ननिर्दिष्ट उद्देश्य के उक्त अन्तरण निर्दिष्ट
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(म) अन्तरण से हुए छिपे बाब की वादत् उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
व्यवित्र बैंकी करने या उक्त उक्त बैंकी के
के लिए; और/या

(म) देशी किसी बाब का निसी देव या व्यव वास्तवों
को, जिसे भारतीय लाद और भारतीय, 1922
(1922 का 11) या इक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
से प्रत्येकार्थ अन्तरित बाबाय प्रकट बहुत किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सूचिता
ने दिया;

संस्कृत, उक्त व्यवित्र बैंकी भारा 269-प के उक्त
में, गैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपाधारा (1)
के उक्त, निम्ननिर्दिष्ट व्यवित्रों व्यवित्र हैं—

1. श्री आर० एल० दुप्पर
बी-223ए ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीराम महेश्वरी और अन्य
डी-2/6 आई० पी० ए०
हन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

कि वह बैंकी भारी उक्त व्यवित्र व्यवित्र के लिए
कार्यवाहीया थारू करता है।

उक्त व्यवित्र के व्यवित्र के संबंध में कोई भी लालोप :—

(क) इस बैंकी के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की व्यवित्र तस्वीरनी अविकल्पों पर
बैंकी की तारीख से 30 दिन की व्यवित्र, जो भी
अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ता
व्यवित्रों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस बैंकी में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उपरिया में हितयापूर्ख
किसी अन्य अधिक, द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास
निविल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्ती नं० 156 गोल्फ लिंक नई दिल्ली ।

प्रश्नोक कक्षकड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक 9-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002 दिनांक 9 जनवरी 1987
निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/३७६६८/५-८६/एक्य०-३

25—अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मंडपा बल्ड ट्रेड सेंटर तादादी 540 वर्ग मीटर
तीसरा खंड बाराखम्बा लेन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबूद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) जैन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक मई 1986
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और बतारक (अन्तरक) और
अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सताजो द्रस्ट
18, लिंग रोड
लापत नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)
2. मैसर्स हिन्दुस्तान अल्युमिनियम कारपोरेशन लिमि०
पंजीकृत कार्यालय, सेचरी भवन
डा० एनी बिसेंट रोड,
बम्बई।

(अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तादादी 540 वर्ग फीट।
तीसरा खंड,
बल्ड ट्रेड सेंटर
बाराखम्बा लेन
नई दिल्ली।

प्रशोक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002
दिनांक : ९-१-१९८७
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

1. सताजो दयूब

18, रिंग रोड,

लाजपत नगर,

नई दिल्ली-24

(अन्तरक)

2. मैहर्स ग्वालियर रायन सिल्क मैन्युफैक्चरिंग विकिंग
कं. लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय, पोस्ट ऑफिस
बिरलाग्राम नागदा (म० प्र०)।

(अन्तरिक्षी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० आई.ए०सी०/एक्यू०/३/३७८६/५-८६/२६—अतः

मुझे, अशोक कक्षकड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० है तथा जो तादादी 540 वर्ग फीट, बल्ड ट्रेड सेंटर
बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
ग्रन्तिसूची में और जो पूर्ण रूप से अंगिण है) सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-
नियम 1961 के अधीन दिनांक मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके अव्यमान प्रतिफल से एसे अव्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दनें के अन्तरक के धायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होंगा जो उसे अध्याय में दिया
गया है ।

ग्रन्तिसूची

तादादी 540 वर्ग फीट ।

तीसरा बंड, बल्ड ट्रेड सेंटर बाराखम्बा लेन,
नई दिल्ली ।

अशोक कक्षकड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 9-1-1987
मोहर :

प्रस्तुत वाहौ दी. एस. एस. ——

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सचिव वायुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ई०/— अतः मझे,
अशोक कक्षकड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तार उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं० 196, गोल्फ लिंक्स, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), प्रज्ञन रेंज-3
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
दिनांक मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वा उपरान्ध
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूल्य
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपरान्ध
मान प्रतिफल से, एसें उपरान्ध प्रतिफल का पूर्व ह प्रतिष्ठान से
फोरेक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती (बन्तरितियाँ)
के बीच एसें बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्दरेष्य से उक्त बन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से
अधित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण व है इन्हीं किसी वाय को बाबत, उपरान्ध
अधिनियम की अधीन कर देने वा अन्तरक के
सामित्र वा की कुनै या उसके बजाने वा सुविधा
के लिए बारे/वा

(ख) एसें किसी वाय वा किसी अन्य वा अन्य वास्तवियाँ
को, जिन्हे भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धम-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ बन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया वाय वा
वा किया जाना आहिए वा लिपाने प्रे धिक्का
वा लिएः

1. श्री चन्द्र पाल-

ए-124, पंडारा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स ए-बी-एस-इ प्रोपर्टीज, प्रा० लिमि०,
खुमराखली पो० आ० नारेन्द्रपुर,
जिला-24, परगना,
बेस्ट बंगाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त हम्मति के बजान के लिए,
कार्यवाहीका शुरू करता है ।

उक्त हम्मति के बजान के उम्मन्द में कौहै भी बालैप :—

(क) इस उच्चन के राजपत्र में प्रकल्पन की तारीख व
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अविक्तयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक वाद वा बमात होती हो, के भीतर पूर्वान्द
अविक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वायाः

(ख) इस सूचना के राजपत्र वा प्रकल्पन की तारीख व
45 दिन की अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति वा हितवदुष
किसी वाय व्यक्ति द्वायाए अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

*
लक्षणेत्र :— उक्त प्रयुक्त वायो और वही वा, जो उक्त
अधिनियम के वायाय 20-क में परिवर्तित
है वही वाय होगा, वा उस वायाय में दिए
वाय है ।

लक्षण

मकान नं० 196, गोल्फ लिंक्स, नई दिल्ली ।

जी० एफ० 1686 वर्ग फीट, एफ एफ 1686 वर्ग फीट,
बरसाती 422 वर्ग फीट ।

अशोक कक्षकड़
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

प्रदा वाय, उक्त अधिनियम की भाग 269-व के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की भाग 269-व के उपरान्ध (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित :—

दिनांक : 9-1-1987
मोहर : १

प्रकल्प आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जनवरी, 1987.

निर्देश सं० आई.टी.एस.एस.एस. 6/37ई.ई/5-86/29—

अतः मुझे, श्री प्रशोक कक्षाड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायी प्रधान, इसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301 टाइप 'ए' सुजान सिंह पार्क (साउथ), नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक मई, 1986

की पूर्णता अंतिम के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकारी प्रतिफल के लिए गंतव्यत वीर गाह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायी प्रधान प्रतिफल संरक्षित का उचित बाजार मूल्य, उसके अधिकारी प्रतिफल से एसे अधिकारी प्रतिफल का अन्तर अंतिमत से अधिक है तो उन्हें अन्तर (अन्तरको) और अन्तरीरती (अन्तरीक्षित) के बाये एमे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाये को बाबत, अन्तरालीकरण के अधीन कर देने के अन्तरुक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी बाये या किसी भने भा अन्य नास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्त-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) एवं इयाजनाय अन्तरीरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया गया था, अपार्ट एवं अपार्टमेंट्स में सुविधा जै विषय।

1. मैसमं यूनिवर्सल विल्डर्स एन्ड कॉम्पैक्टर्स
28 बायाखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मिस्टर दीवेश चन्द्र खुल्ला
407/27, मरस्वानी हाउस,
नेहरू प्लॉम, नई दिल्ली-19

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालियां जारी हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वांदी व्यक्तिगतों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिगतों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपार्हस्तानी के पास निवास में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, जहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वक्तव्य

फ्लैट नं० 301, 'ए' टाइप, प्रबोण अपार्टमेंट्स, ।
सुजान सिंह पार्क, (साउथ)

नई दिल्ली 1 तादादी 1483 वर्ग फीट।

प्रशोक कक्षाड़
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक 9-1-1987
मोहर :

बहु: बहु, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तिगतों, बर्खा ५—
9—456GI/86

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जनवरी 1987
निर्देश सं० आई.ए.सी.०/एक्य०/३/३७६६/५-८६/३०८०/३०

अतः मुझे, श्री अशोक कक्षड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1010, 22, बाराखम्बा रोड़,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण).
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन दिनांक मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसितियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ
अंतरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यां, अर्थात् :—

1. स्कीपर सैल्स प्रा० लि० ।

22 बाराखम्बा रोड़,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स गोल्डन पालिस्टर हॉस्ट्रीज प्रा० नि०

2527/8, ब्राजार सीनराम,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1010, 22, बाराखम्बा रोड़ नई दिल्ली-1
फ्लैट का क्षेत्र ० 760 वर्ग फीट ।

प्रश्नोक्त कक्षड़
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : ९-१-१९८७

मोहर :

प्रस्तुत आइ^०, टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३८८८/५-८६/३०७९/

32—अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1001, और 1002, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांच अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मई, 1986

प्रत्येक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टू किसी आय की बादता उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्कीपर सैल्स प्रा० लि०,
22, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

2. मैसर्स स्परीग वेली, फाइनेंस एंड ट्रेड लिमि०
2527/8, बाजार सीना राम,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

फ्लैट नं० 1001 और 1002, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली 1 फ्लैट का क्षेत्र 1300 वर्ग फीट।

अशोक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक 9-1-1987

मोहर :

प्रकरण नं. बी.एन.एस.-----

वार्षिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) नं।

भारत 269-ग (1) के अधीन संघवाच

भारत सरकार

सहायक आयकर आयकर अधिनियम (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जनवरी 1987

निर्देश सं. आई.ए.सी.ओ/एस.प्र. 3/37ई/5-86/33—अतः

मुझे, अशोक कक्षकड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उल्लेख परापरा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन संघवाच प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पादन, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं. फ्लैट नं. 1011, 22, बी० के० रोड, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसुची में पूर्ण
स्पष्ट से वर्णित है) सहायक आयकर आयकर अधिनियम, अर्जन
रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन दिनांक मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तराधिकार मूल्य से कम के उत्तराधिकार के लिए अंतरित की गई है। और यह विवाद करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आयकर मूल्य, उसके उत्तराधिकार से, एसे उत्तराधिकार का उत्तराधिकार से अधिक है और उत्तराधिकार (उत्तराधिकारी) और उत्तराधिकारी (उत्तराधिकारी) के बीच एसे उत्तराधिकार के लिए तभी आयकर आयकर विवादित उत्तराधिकार से उत्तराधिकार के लिए आयकर आयकर में वास्तविक अंतर नहीं किया गया है।—

1. मैसर्स स्कीपर सैल्स प्रा० लि०,
22, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स गोल्डन सिलेंडर्स, प्रा० लि०
2527/8, बाजार सीता राम,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आटी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कर्यवाचियां कराया दूँ।।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में नित्य-वृद्धि किसी जन्य व्यक्ति द्वारा ज्ञाहस्ताभारी के पास लियित भौं किए जा रहे हैं।

उत्तराधिकार :—इसमें प्रदर्शित गट्टों अंदर वर्तों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, यही वर्ष होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

(क) उत्तराधिकार से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में उत्तराधिकारी की कमी करने या उत्तराधिकार में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचित के लिए;

फ्लैट नं. 1011, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली;

अशोक कक्षकड़
संघवाच प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 9-1-1987

मीहर :

प्रकाश बाहौदी, टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-13,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जनवरी 1987

निर्देश सं० प्राइ० ए० सी० / एकप० / ३/३८८५/५-८६/३०८५/
३४—अतः मुझे, श्री अशोक ककड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० तादादी 540 वर्ग फीट तीसरा खंड, वर्ल्ड
ट्रेड सेटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन दिनांक मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान
प्रतिफल सं, एसे अध्यमान प्रतिफल के एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
बद्धदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अन्तरण
नहीं किया गया है ।

(ए) बन्सरूल से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) एसी किसी आय या किसी अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थी अन्तर्ती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था यह किया गिया था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बतः ५व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरूल
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपलाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्सैं सताजो ट्रस्ट,
18, रिंग रोड,
लाजपत नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. दी इन्डियन रायन कारपोरेशन लिमिटेड,
पंजीकृत कार्यालय, जुगांध (वरावल रोड),
वरावल-362266 (गुजरात) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बाहून किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताश्वरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तादादी 540 वर्ग फीट, तीसरा खंड, वर्ल्ड ट्रेड सेटर,
आराखस्वा लेन, नई दिल्ली ।

अशोक ककड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक 9-1-1987

मोहर :

श्रम वाहू.टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत वर्कर

कार्यालय, सहायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 1 मई 1986

निर्देश सं. 1/मई/86-87:— यतः मुझे, ए० के०

तालपत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए० नं. 51/4बी है, तथा जो शिवगंगा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय ज० ए० आई० शिवगंगा, डाकुमेंट नं. 333/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मई, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अस्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) वौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदादेश्य से उक्त अन्तरण लिखित ये वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी बाब की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे उक्त अन्तरण में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्र अधिनियम, वा भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री एम० आर० आर० एम० एम० आर० आर० एम० रामनाथन, चेट्टियार ।
37, मूरुगप्प चेट्टियार स्ट्रीट,
नटराजपुरम् ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० अरुलं और दूसरे,
341, सन्नधी स्ट्रीट,
कालैयार कोइल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रे है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

खाली जमीन 1.72 एकड़ ।

ए० के० तालपत्रा

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मदुरै

दिनांक : 1-5-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 24th November 1986

No. A.32014/1/86-Admn.III.—On his reversion from the post of OSD (Confidential), the President is pleased to appoint Shri P. S. Rana, a permanent Section Officer of the CSS Cadre of U.P.S.C. to perform the duties of Desk Officer with effect from 4-11-86 (F/N) until further orders.

2. Shri P. S. Rana shall draw special pay @ Rs. 150/- per month in terms of Deptt. of Personnel O.M. No. 12/1/74-CS.1 dated 11-12-1975 read with S. No. 5(i) of the Annexure to M/o Finance (Dept. of Expenditure) Notification No. F.15(i)-IC/86 dated 13th September, 1986.

MRS. NITA KAPOOR
Dy. Secy. (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 22nd January 1987

No. A-11/18/78.—Director of Enforcement hereby appoints Shri Sooa Ram Buttolia, Enforcement Officer in this Directorate to officiate as Chief Enforcement Officer on ad-hoc basis for a period of six months in Jalandhar Zonal Office of this Directorate with effect from 30-12-1986 (F/N).

No. A-11/19/73.—Director of Enforcement hereby appoints Shri P. N. Ladhawala, Enforcement Officer in this Directorate to officiate as Chief Enforcement Officer on ad-hoc basis for a period of 6 months in Bombay Zonal Office of this Directorate with effect from 2-1-1987 (F/N).

KALI CHARAN
Chief Enforcement Officer (Admn.).

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRG
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

New Delhi-110003, the 21st January 1987

No. A-19021/5/79-AD-V(VOL.III).—On reprimation from the Ministry of Civil Aviation, Shri Dwarka Nath, Superintendent of Police reported back for duty in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 5th December 1986.

Notification of even number dated 18-12-1986 is modified to the above extent.

The 22nd January 1987

No. V-6/74-AD-V.—The Director/CBI and Inspector General of Police/Special Police Establishment/New Delhi regularises the appointment of the following Assistant Public Prosecutors/CBI to the upgraded posts of Assistant Public Prosecutors/CBI under the new Recruitment Rules notified by the Deptt. of Personnel and Administrative Reforms/Government of India vide Notification No. 213/1/79-AD-V.II dated 4-8-1980, in consultation with the Union Public Service Commission.

1. Shri D. K. Pandey.
2. Shri V. D. Sharma.
3. Shri M. P. Singh.

No. A-20023/3/76-AD-V.—The Director/CBI and Inspector General of Police/Special Police Establishment hereby appoints Shri Z. N. Shaikh, a retired Public Prosecutor, on re-employment, as Public Prosecutor in CBI/Ahmedabad Branch in a temporary capacity for the period from 29-12-86 to 31-5-1987.

D. P. BHALLA
Administrative Officer (E) CBI.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL CRPF FORCE

New Delhi-110003, the 15th January 1987

No. O.II-966/74-Estt-I.—The President is pleased to accept the technical resignation tendered by Dr. Ashok Kumar Das, General Duty Officer, Grade-II of the Central Reserve Police Force with effect from 4th September 1980 (A/N) i.e. the date on which he was relieved from the Force on his appointment as Assistant Surgeon in the Orissa State Medical and Health Service Cadre.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI
Assistant Director (Estt.).

New Delhi, the 20th January 1987

No. O.II-4/87-Adm-3.—Shri Mathew Abraham, Subedar Major (Office Supdt.) on promotion as Section Officer has taken charge on 1-1-87 (F/N) in Directorate General, CRPF, New Delhi.

Sd/- ILLEGIBLE
Dy. Director (Adm.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)
KERALA

Trivandrum-695 039, the 20th January 1987

No. Admn/Audit/9-1/307.—The Accountant General has been pleased to promote the following Officials as Audit Officers in the scale of pay of Rs. 2375-75-3200-FB-100-3500/- with effect from the date shown against each. These promotions are provisional and subject to further orders of Hon'ble High Court of Kerala in CMP No. 24851/84 & CMP No. 1749/84

Sl. No.	Name	Date of assumption of charge.
S/Shri/Smt,		
1.	M. Ramachandran	18-10-1986
2.	P.N. Bhaskaran Nair	3-12-1986
3.	T.J. David	3-12-1986
4.	N.P. Gopalakrishnan	3-12-1986
5.	K.V. Mathew (No. 1)	3-12-1986
6.	V. Subashchandran	4-12-1986
7.	P. Bhaskaran (No. 2)	3-12-1986
8.	N. Gopalakrishnan Nair (No. 2)	4-12-1986
9.	K. Sreedhara Kurup	5-12-1986
10.	P. Vijakumaran Nair	4-12-1986
11.	S. Shyamala	3-12-1986
12.	C.K. Gopinathan Nair (Pro forma)	4-12-1986
13.	N. Krishnankutty	4-12-1986

Sl. No. 7 & 13 Their promotions are subject to the final decision of the Supreme Court in CMP No. 6944-45 of 1979.

No. Admn./Audit/9-1/307.—The Accountant General has promoted Shri P. A. Hussain, Section Officer (on deputation) on pro forma basis as Assistant Audit Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200/- with effect from 18-12-1986. His promotion is provisional and subject to further orders of Hon'ble High Court of Kerala in CMP No. 24851/84 and CMP No. 1749/84.

I. VENKATARAMAN
Sr. Dy. Accountant General (Adm)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 16th January 1987

No. Admn.XI/Gr.II/279/1178.—In terms of Rule—48-A of CCS (Pension) Rules, 1972 the Accountant General

(Audit) : I, Madhya Pradesh is pleased to permit Shri R. C. Bhargava, Asstt. Audit Officer (02/544) of this office to retire voluntarily from Central Government service with effect from 28-2-1987 Afternoon.

[Authority : Orders of A. G. (Audit) J dated 5-1-1987]

R. C. GUPTA
Dy. Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)
ORISSA**

Bhubaneshwar, the 17th December 1986

F. O. No. 81.—Accountant General (Audit) is pleased to appoint Shri L. R. Sastry, Asstt. Audit Officer of this office to officiate as Audit Officer in the scale of pay of Rs. 2375-75-3200-FB-100-3500/- with effect from 29-8-86 (F/N) in accordance with the provision of the IA&AD (Administrative Officer/Audit Officer/Accounts Officer) Recruitment Rules-1964. His promotion is on ad-hoc basis and subject to the final decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudice in the courts and without prejudice to the claims of his seniors.

The 6th January 1987

E.O. No. 86.—Accountant General (Audit)-1 is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers of this office to officiate as Audit Officers in the scale of pay of Rs. 2375-75-3200-FB-100-3500/- from the date noted against each in accordance with the provisions of IA&AD (Administrative Officer/Accounts Officer and Audit Officer) Rules, 1964. Their promotion is on ad-hoc basis and subject to the final decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudice in the courts and without prejudice to the claims of their seniors.

1. Shri N. K. Mohapatra, 1-1-87 (F/N).
2. Shri A. V. Narasimham, 1-1-87 (F/N).
3. Shri K.S.R. Murty Pattaik, 1-1-87 (F/N).
4. Shri J. M. Moin, 1-1-87 (F/N).

M. G. MHASKAR
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I (A&E)
UTTAR PRADESH**

Allahabad, the 15th January 1987

No. Admn.I/11-144/Notfn/3558.—Shri D. P. Tewari, permanent Accounts Officer, Office of the Accountant General (A&E)-I U.P. Allahabad, has retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from 31-12-86 (A/N).

MINAKSHI CHAK
Dy. Accountant General (Admn.)

**MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION
(LABOUR DEPARTMENT)**

LABOUR BUREAU

Shimla-171 004, the 6th February 1987

No. 5/1/86-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base 1960=100 decreased by four points to reach 688 (Six Hundred Eighty Eight) for the month of December 1986. Converted to Base : 1949=100 the index for the month of December, 1986 works out to 836 (Eight Hundred Thirty Six).

BALRAM
Deputy Director
Labour Bureau

**DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE
SERVICE AND LABOUR INSTITUTES**

Bombay-400 022, the 19th January 1987

No. 17/76-Estt.—On attaining the age of superannuation Shri D. C. Das Administrative Officer, Regional Labour Institute-Cuttack under this Directorate General was retired from Government service w.e.f. the forenoon of 1-10-1986.

K. A. NARAYANAN, Dy. Director (Admn.)
for Director General

MINISTRY OF COMMERCE

**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS**

New Delhi, the 12th January 1987

**IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)**

No. 6/512/58-Admn.(G)/389.—On attaining the age of superannuation Shri Om Prakash, Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1986.

The 13th January 1987

No. 6/409/56-Admn.(G)/257.—On attaining the age of superannuation Shri B. K. Biswas, Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1986.

SHANKAR CHAND
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
For Chief Controller of Imports & Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

**DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)**

New Delhi, the 12th January 1987

No. A-19018(758)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. J. Sangai as Assistant Director (Gr. I) (Food) at Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the afternoon of 28-11-86 until further orders.

No. A-19018(699)/83-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation Shri K. N. Deka, relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade II) (General Administration Division) at Small Industries Service Institute, Gauhati on the afternoon of 30-11-1986.

The 13th January 1987

No. A-19018(767)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. C. Mallik, Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation), Small Industries Service Institute, Gauhati as Assistant Director (Grade I) (Industrial Management & Training) at Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 6-10-86 until further orders.

The 19th January 1987

No. 12(602)/68-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation Shri M. S. Chauhan relinquished the charge of the post of Deputy Director (Economic Investigation) at Small Industries Service Institute, Ahmedabad on the afternoon of 30th November, 1986.

No. 12(684)/71-Admn.(G) Vol.II.—On attaining the age of superannuation Shri R. R. Fonzdar, relinquished charge

of the post of Deputy Director (General Administration Division) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi on the afternoon of 31st December, 1986.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

**OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL, PATENTS,
DESIGNS & TRADE MARKS**

Bombay-400 020, the 19th January 1987

No. CG/F/14/7/(13)Patents/138.—The President is pleased to appoint Shri Rama Rao Chintalapati, as Examiner of Patents and Designs, (Group 'A' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 700-1300 on regular basis in the Patent Office Branch, Bombay, with effect from 23-10-1986 (F/N). He will be on probation for a period of two years with effect from the said date.

R. A. ACHARYA, Controller General,
Patents, Designs & Trade Marks.

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 16th January 1987

No. 321B/A-19011(2-RES)/86-19B.—The President is pleased to appoint Shri Ram Charitra Singh to the post of Geophy. (Jr.) (Insttn.) in the G.S.I. on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity w.e.f. the F.N. of 30-10-86, until further orders.

No. 333B/A-32012(2-GS)/83-19B.—The President is pleased to appoint Shri M. P. Mathew, Geophysicist (Jr.) GSI, on promotion to the post of Geophysicist (Sr.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in an officiating capacity with effect from 11-9-86 (A/N), until further orders.

No. 346B/A-19012(2-MCS)/82/19B.—Consequent upon his permanent absorption to Oil & Natural Gas Commission, Shri M. C. Soti, Asstt. Geophysicist (Insttn.), G.S.I. tendered resignation from his post of this department w.e.f. 6-4-86 (F/N).

No. 379B/A-32013(2-GS)/83-19B.—The President is pleased to appoint the following Geophysicist (Jr.) GSI, on promotion to the post of Geophysicist (Sr.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in officiating capacities with effect from the dates mentioned against each until further orders.

1. Shri M. S. V. Rama Rao w.e.f. 15-9-86 (F/N).
2. Dr. Debabrata Ghosh w.e.f. 9-9-86 (F/N).
3. Shri N. P. Singh w.e.f. 9-9-86 (F/N).

No. 394B/A-32013/1-Geol. (Sr.)/82-19A.—Shri V. K. Anand, Geologist (Sr.), Geological Survey of India has been granted an extension of leave with effect from 11-9-1986 to 11-9-1987 on his appointment to the post of Level Q Officer in the Cement Research Institute of India, New Delhi,

A. KUSHARI, Director (Personnel)

Calcutta-16, the 16th January 1987

No. 361B/A-19011(4-MSR)/84-19B.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Ramaswamy Drilling Engineer (Junior), Geological Survey of India, on promotion as Drilling Engineer (Senior) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17th November 1986, until further orders.

JAGDISH LAL, Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th January 1987

No. A-38012/8/86-Admn-1.—Dr. S. N. Ray, Assistant Director General (Cholera) retired voluntarily from Government Service on the afternoon of 6th January 1987.

The 20th January 1987

No. A-38012/1/86-Admn-1.—The President is pleased to permit Dr. P. Basu, Chief Medical Officer under Directorate General of Health Services to retire from Government Services voluntarily with effect from 2nd April, 1986 (AN).

P. K. GHAI
Dy. Dir. Admn. (C&B)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 16th January 1987

No. NFC/PAR/0703/137.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/2289 dated December 13, 1986, the appointment of Shri N. Bharathan, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on adhoc basis is extended upto 5-2-1987 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH,
Manager, Personnel & Admn.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 21st January 1987

No. AMD-16/1/85-Rectt./852.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri G. M. Nair, a permanent Sr. Stenographer, RAPS as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15-12-1986 until further orders.

A. W. KHAN
St Administrative & Accounts Officer

ISRO SATELLITE CENTRE

DEPARTMENT OF SPACE

Bangalore-560 017, the 16th January 1987

No. 020/1(15 1)/87-Est-1.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the dates shown against their names, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders:—

Sl. No.	Name	Designation	Date
1.	P. Ramachandra	Scientist/Engineer 'SB'	August 23, 1985
2.	Debasis Chakraborty	Scientist/Engineer 'SB'	August 23, 1985
3.	N. Shanmuga Sundaram	Scientist/Engineer 'SB'	July 16, 1986
4.	B.M. Basavaraju	Scientist/Engineer 'SB'	Sep 15, 1986

H. S. RAMADAS
Administrative Officer-II

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 16th January 1987

No. A-19012/1099/85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Mantosh Kumar Saha, Design Asstt./Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 15-4-85 until further orders.

(2) The abovementioned officer will be on probation in the grade of E.A.D./A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

The 15th January 1987

No. A-19012/1186/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri K. M. Palani, Jr. Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Asstt. Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 17-9-1986.

The 19th January 1987

No. A-19012/1060/84-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ramesh Chandra Dalsukhbhai Patel, Supervisor/Junior Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 17-8-1984.

No. A-19012/1156/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Bal Kishan, Supervisor (Junior Engineer) to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 5-11-1985.

No. 6A-19012/1162/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Himanshu Kumar Haldar, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 9-4-1986.

No. A-19012/1165/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Satish Chandra, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 19-6-1986.

No. A-19012/1184/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Baldev Krishna Gupta Junior Engineer (Engg.) in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 20-6-1986.

No. A-19012/1210/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Anil Kumar Mittal, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 26-8-1986.

M. R. SINGLE
Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 8th December 1986

No. 3-754/86-CH-Estt.—Shri A. N. Tiwari, is hereby appointed to the post of Asstt. Chemist, C.C.S. Group-B (Gazetted) in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 on temporary basis, in the Central Ground Water Board with his headquarters, at C/R, Nagpur, w.e.f. 21-10-1986 (F.N.), till further orders.

No. 3-753/86-CH-Estt.—Shri Janeshwar Das, STA (Chemical) is hereby promoted to the post of Asstt. Chemist, C.C.S. Group-B (Gazetted) in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at North Western Region, Chandigarh w.e.f. 20-10-86 (F.N.) till further orders.

B. P. C. SINHA, Chief Hydrogeologist & Member

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Severn Chemical & Pharmaceutical Works
Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 14730/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Severn Chemical & Pharmaceutical Works Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sree Durga Oil Mills Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 27777/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sree Durga Oil Mills Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Tex Engineers Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 24450/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Tex Engineers Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Akshoy Kumar Dey & Sons Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 24799/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Akshoy Kumar Dey & Sons Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Metcap Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 27448/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of M/s. Metcap Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sree Plyboard Distributors Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 26522/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sree Plyboard Distributors Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Southend Workshops Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987.

No. 25702/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Southend Workshops Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Ferro Fabricator Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 26831/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ferro Fabricator Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sarda Brothers Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 24214/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sarda Brothers Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Chhaya Publication Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 1137/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Chhaya Publication Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Primchandi Cables Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 26330/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Primchandi Cables Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Babu Lal Saraff Gunnies Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 27583/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Babu Lal Saraff Gunnies Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sen's Investors Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 24640/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sen's Investors Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Bengal Punjab United Contractors Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 27882/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Bengal Punjab United Contractors Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. D. Dey & Brothers Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 18331/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. D. Dey & Brothers Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. New Assam Coal Trading Company Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 27376/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. New Assam Coal Trading Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
M/s. Pratul Mukherjee (Stevedores) Private Limited*

Calcutta-20, the 20th January 1987

No. 26029/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Pratul Mukherjee (Stevedores) Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

HAR LALL
Addl. Registrar of Companies
West Bengal

FORMS ITNS

(1) Mr. Oscar Saldanha,

(Transferor)

(2) M/s. Shreyas Constructions.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 15th January 1987

Ref. No. ARIV/37EE/28039/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 30-A, C.T.S. No. 964, Survey No. 110 (Pt), Eksar Village, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 30-A, C.T.S. No. 964, Survey No. 110 (Pt), Eksar Village, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/28039/85-86 on 1-5-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Shreeji Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Jayantilal Investments.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 15th January 1987

Ref. No. ARIV/37EE/28027/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot of land bearing Survey No. 110 Hissa No. 1 and C.T.S. Nos. 68 and 68(1) to (9), Malad (N) and Municipal R-Ward Nos. 1071-1075 and St. Nos. 179, 181A/1, 180,

181 and 183A

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot of land bearing Survey No. 110, Hissa No. 1 and C.T.S. Nos. 68 and 68(1) to (9), Malad (N) and Municipal R-Ward Nos. 1071-1075 and St. Nos. 179, 181A/1, 180, 181 and 183A.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/28027/85-86 on 1-5-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-1-1987
Seal:

FORM ITNS

(1) Mr. Lester Saldanha.

(Transferor)

(2) M/s. Shreyas Constructions.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 15th January 1987

Ref. No. ARIV/37EE/28040/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land together with messuages, tenements and dwelling houses standing thereon and known as Villa Proel and on Plot No. 30, C.T.S. No. 965, S. No. 110 (Pt.) and 113 (Pt.), Eksar Village, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-109 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land together with messuages, tenements and dwelling houses standing thereon and known as Villa Proel and on Plot No. 30, C.T.S. No. 965, S. No. 110 (Pt.) and 113 (Pt.), Eksar Village, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-400 103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IV/37EE/28040/85-86 on 1-5-1986.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Hirabai Manik Bhandari & Ors.

(Transferor)

(2) Dattani Constructions.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 15th January 1987

Ref. No. ARIV/37EE/27724/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as given in the Schedule situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground hereditaments and premises lying and being at Village Charkop Taluka, Borivali, Bombay Suburban District, sub-district having Survey No. as under :

S. No.	H. No.	C.T.S.No
12(pt)	17	577(pt)
16	17	549
16	1,2,4	566
23	10	239
8	11	489

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IV/37EE/27724/85-86 on 1-5-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Govind Babu Rao & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Kesari H. Mali.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 15th January 1987

Ref. No. ARIV/37EE/27946/85-86.—Whereas, I, **LAXMAN DAS**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value **Rs. 1,00,000/-** and bearing as given in the Schedule situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1986 situated at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that pieces or parcels of land lying and being in Village Shimpoli at and Taluka Borivali in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Suburban and having Survey No., Hissa No. and C.T.S. No. given below:

1. Survey No. 13, Hissa No. 14, C.T.S. No. 82
2. Survey No. 16, Hissa No. 8, C.T.S. No. 58, Final Plot No. 634 of T.P.S. III
3. Survey No. 15, Hissa No. 7, C.T.S. No. 123, Final Plot No. 633 of T.P.S. III.
4. Survey No. 15, Hissa No. 10, C.T.S. No. 118, 118/1, 118/2 Final Plot No. 6/7B.
5. Survey No. 12, Hissa No. 2, C.T.S. No. 101.
6. Survey No. 17, Hissa No. 7, C.T.S. No. 52 Final Plot No. 640F of T.P.S. III.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/27946/85-86 on 1-5-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-1-1987

Seal:

FORM ITNS—

(1) Miss. Scarlett Chabra.

(Transferor)

(2) Mr. Asgar Badruddin Sakarwala and
Mrs. Shamim Asgar Sakarwala.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

(4) Firoze Estates Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II(A), CONTRACTOR BLDG.
BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th January 1987

Ref. No. A.R.II(A)/37EE/34045/85-86.—Whereas, I,

A. BAIDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 1 on the 2nd floor of Fiona Bldg. at 176, Juhu Tara
Road, Juhu, Bombay,
situated at Bombay(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority at Bombay
on 16th May, 1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on the 2nd floor of Fiona Building at 176, Juhu
Tara Road, Juhu, Bombay-49.The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. A.R.II(A)/37EE/34045/85-86
on 16-5-1986.A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (A), BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

11—456GI/86

Date : 12-1-1987

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/a. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Kayum Selia and
Mrs. Saidunnisa Selia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A), CONTRACTOR BLDG.
BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th January 1987

Ref. No. AR.II(A) /37EE/34161/85-86.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, Horizon View-I, Andheri (W), Bombay-61 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19th May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 601 'Horizon View I, Plot No. 70, Off. Jai Prakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A) /37EE/34161/85-86 on 19-5-1986.

A. BAIDYA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Shohum Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh C. Agarwal and
Shri Roshan C. Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II(A), CONTRACTOR BLDG.
BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th January 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE/33870/85-86.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the
 immovable property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 Land situated at Amboli Village, Andheri (West), Bombay
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
 Authority
 at Bombay on 2-5-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of the
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing S. No. 27 H. No. 2, CTS 160, S. No. 26A,
 H. No. 1, CTS 164 S. No. 24, H. No. 3, CTS No. 231, S. No.
 25, H. No. 6A, CTS No. 235, S. No. 25, H. No. 1, CTS 227
 situated at Amboli Village, Andheri, Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/33870/85-86
 on 2-5-1986.

A. BAIDYA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 12-1-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s New India Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Abilkumar R. Gupta and
Shri Deepak Kumar R. Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II(A), CONTRACTOR BLDG.
BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th January 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE/34126/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4-B, Dhanratna Apartments, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 4-B, in 'Dhanratna Apartments' and car parking 4. B, on Plot bearing C.T.S. No. 131 & 131(i) to 131(8) Off Jayprakash Road, Bhardawadi, Andheri (W), Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/34126/85-86 on 19-5-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1987

Seal :

FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II(A), CONTRACTOR BLDG,
BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-38, the 12th January 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE/34195/85-86.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Plot No. 61, Vithal Nagar Co.op. Housing Society Ltd., Vile
 Parle (W), Bombay-56
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
 Authority
 at Bombay on 22-5-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Mr. Laxman J. Ramsinghani,
 2. Mr. Daulat J. Ramsinghani,
 3. Mr. Vashu J. Ramsinghani and
 4. Mr. Ashok J. Ramsinghani.

(Transferor)

(2) 1. J. H. Bhatia,
 2. A. H. Bhatia,
 3. M. H. Bhatia,
 4. S. H. Bhatia,
 5. Maya J. Bhatia,
 6. Asha A. Bhatia,
 7. Poonam M. Bhatia and
 8. Bina S. Bhatia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that chapter.

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;

THE SCHEDULE

Plot No. 61, Vithal Nagar Co.op. Housing Society Ltd.,
 Jhuh Vile Parle Development Scheme, Vile Parle (West),
 Bombay-56.

The Agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/34195/85-86
 on 22-5-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II (A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 12-1-1987

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Devibal Vallabhdas Madnani & Ors.
(Transferor)

(2) M/s. Chetan Developers.
(Transferee)

(3) Tenants.
(Persons in Occupation of the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II(A), CONTRACTOR BLDG.
BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th January 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE/33835/85-86.—Whereas, I,
A. BAIDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S. No. 82, Plot No. 11, Versova, Andheri (W), Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority
at Bombay on 2-5-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Old building structure known as 'Sea Shell' & bearing S. No.
82, Plot No. 11 at Versova, Andheri (W), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/33835/85-86
on 2-5-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) The Vasanta Theosophical Co. op. Housing Soc. Ltd.
(Transferor)

(2) Mr. Sam K. Cooper and Mrs. Gool Sam Cooper.
(Transferee)

(3) Transferor.
(Persons in Occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BLDG.,
BALLARD ESTATE,
BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th January 1987

Ref. No. A.R. II (A)/37EE/34307/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 910, Plot No. C. 10, Vasanta Theosophical Society, Vile Parle, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. CTS 910, Plot No. C 10, Vasanta Theosophical Society, Juhutara Rd., Vile Parle, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II (A)/37EE/34307/85-86 on 29-5-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Daulatram Mulchand Mordani & Mrs. Asha D. Mordani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BLDG.,
BALLARD ESTATE,
BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th January 1987

Ref. No. A.R. II (A)/37EE/34261/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, Horizon View—I, Off. Jai Prakash Rd., Versova Andheri (W), Bombay-61 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22 May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 303 in the building known as 'Horizon View I' on plot No. 70 of S. Nos. 91 A (Pt) and 95 A (Pt) Off Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II (A)/37EE/34261/85-86 on 22-5-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

Date : 12-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Rani Ajay Jhaver. (Transferor)
 (2) Dhanjisha Palanji Dhamodiwala & Dolly Dhanjisha Dhamodiwala. (Transferee)
 (3) Transferor. (Persons in Occupation of the property)
 (4) Housing Development & Finance Corporation. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BLDG.,
BALLYARJU ESTATE,
BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th January 1987

Ref. No. AR. II (A)/37EE/33825/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 108, Juhu Sheetal Co.operative Society Ltd., Juhu Bombay-49, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 108 Juhu Sheetal Co.operative Society Ltd., Juhu Road, Juhu, Bombay-49.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II (A)/37EE/33825/85-86 on 2 May 1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Acquisition Range-II (A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
12—456GI/86

Date : 12-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BLDG.,
BALLARD ESTATE,
BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th January 1987

Ref. No. AR. II (A) /37EE/33864/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 109 'Jai Darshan', Ruia Park, Juhu, Bombay-49 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. M. R. Combine.
(2) Mr. Rumi Rustomji Mehta
Mrs. Piroja Rumi Mehta.

(Transferer)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 109 in the building known as 'Jai Darshan' situated on portion of 18-Y of land bearing S. No. 44, H. No. 1 (Pt) & 2 (Pt) at Ruia Park, Juhu, Bombay-400049.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II (A) /37EE/33864/85-86 on 2 May 1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Acquisition Range-II (A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Aruna Ramchandra Killawala
 Mr. Nitin R. Killawala &
 Mr. Dipal R. Killawala.

(Transferor)

(2) Mr. Bhavesh Balkrishna Valia,
 Mrs. Pushpa Balkrishna Valia
 Mr. Balkrishna Chhaganlal Valia.

(Transferee)

(3) Transferee.
 (Persons in Occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
 CONTRACTOR BLDG.,
 BALLARD ESTATE,
 BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th January 1987

Ref. No. AR. II (A)/37EE/34271/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Residential Duplex Flat Unit No. 4, on plot No. 56, Duplex 04, Jai Hind Co. op. Housing Society Ltd. N. S. Road No. 10, Bombay-400 049, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29 May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Duplex Flat Unit No. 4, on plot No. 56, Duplex 04, Jai Hind Co. operative Housing Society Ltd., N. S. Road No. 10, Bombay-49.

The Agreement has been registered by the Competent Authority (Bombay) under No. AR. II (A)/37EE/34271/85-86 on 29 May 1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-V
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1987

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BLDG.,
BALLARD ESTATE,
BOMBAY-400 038

Bombay, the 12th January 1987

Ref. No. AR.II (A)/37EE/33975/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 27 on Ground floor, Sarvodaya Industrial Premises Co. op. Society Ltd., Mahakali Caves Rd., Andheri (E), Bombay-93, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Syno Injection Moulders Pvt. Ltd., (Transferor)
- (2) M/s. Shradha Packaging Pvt. Ltd., (Transferee)
- (3) Mrs. Nafisa Mustafa Mehta.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 27 on ground floor Sarvodaya Industrial Estate Sarvodaya Industrial Premises Co. op. Society Ltd., Mahakali caves Rd., Andheri (E), Bombay-93.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II (A)/37EE/33975/85-86 on 9-5-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Bombay

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

Date : 12-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Ashok Construction Co. & Shri P. D. Zilla.
(Transferor)
(2) Mrs. Sunanda M. Shanbag.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-400 038.

Bombay, the 12th January 1987

Ref. No. AR. II(A)/37EE/34044/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot bearing S. No. 84 (Pt.) Gondavli Village, Andheri (E), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 16th May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing S. No. 84 (Pt.) Gondavli, Village, Andheri (E), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II (A)/37EE/34044/85-86 on 16-5-86.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Bombay

Dated : 12-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. C. K. Builders & Developers (Transferor)
 (2) Mani Shankaram Sharma (Transferee)
 (3) Transferor (Persons in Occupation of the property)
 (4) Shere Punjab Co. op. Hsg. Society Ltd. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-400 038.

Bombay, the 12th January 1987

Ref. No. AR. II(A)/37EE/34143/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 217 & 218 & CTS. No. 368/59 and 368/58 at Village Mogra, Andheri (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Bombay on 19-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property situate at Village Mogra, Taluka Andheri, bearing Plot No. 217 and CS No. 368/59 and Plot No. 218, CTS. No. 368/58.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II(A)/37EE/34132/85-86 on 19-5-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 12-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Properties & Industrial Pvt. Ltd.
115-Ansal Bhavan,
16-K. G. Marg, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Real Investments Co. Ltd.,
222, Maker Chambers IV,
5th floor, Nariman Point, Bombay.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. JAC/Acq I/37EE/5-86/3046.—Whereas, I,
V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. F-201, situated at 6-Aurangzeb Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
IAC Acq., New Delhi on May 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XVA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957).

Flat No. B-201, 6-Aurangzeb Road, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq. VII/SR-III/5-86/609.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot E-183 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Sh. Soom Nah Ganju
s/o Late Sh. Tara Chand Ganju,
r/o Block 'N' House No. 68 Saket,
New Delhi.
2. Smt. Pyari Ganju w/o Late Sh. Sham Nath Ganju
II-D-12/A, Lajpat Nagar, New Delhi.
3. Smt. Ritue Kaul w/o Sh. Susheel Kaul,
d/o Late Sh. Sham Lal Ganju,
1/o D-40, Panposh Enclave, Greater Kailash-I,
4. Smt. Anita Taing w/o Sh. Surinder Taing
d/o Late Sh. Sham Lal Ganju,
r/o Pocket 14A, House No. 13,
Kalkaji Ext. New Delhi.
5. Miss Veena Ganju d/o
Late Sh. Sham Lal Ganju,
6. Sh. Sanjay Ganju s/o Late Sham Lal Ganju,
r/o II-D-12/A, Lajpat Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Aarchi Properties Pvt. Ltd.,
S-150, Greater Kailash-II, New Delhi.
through its Director Sh. Rakesh Jain.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 183 in block 'E' measuring 250 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Anil Sarin
2. Sandeep Sarin
3. Mrs. Savita Sarin
M-22, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Creative Holdings (P.) Ltd.
Kailash Apartments, New Delhi through its
Director Sh. Amarjit Singh Nanda.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq-VII/SR-III/5-86/597.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. M-227 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. M-227, on plot measuring 300 sq. yds. (total measuring 400 sq. yds.) situated at Greater Kailash II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 13-1-1987
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
13—456GI/86

FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Arun Mittal,
E-18, Greater Kailash Enclave II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Blow Plast Ltd.,
Rattan Jyoti 6th floor,
18, Rajendra Place, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq. VII/SR-III/5-86/634.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C-124-B situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq., New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

C-124 B Greater Kailash I, New Delhi.

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Maj. Gen. Satya Paul Vohra,
B-8, West End Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Daaps Breeding Products P. Ltd.,
B-8, West End Colony,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/5-86/645.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Plot 117-D situated at Okhla Industrial Area Ph. I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot No. 117-D measuring 499.79 Mtrs. New Okhla Industrial Area Phase-I Village Bahapur New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

v. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
 AGGARWAL HOUSE
 4/14-A, ASAF ALI ROAD
 NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/5-86/655.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-309 situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Sh. Dev Raj Sharma
 2. Sh. Ashok Kumar Jaitly
 3. Sh. Vinod Kumar Jaitly
 4. Sh. Shashi Sharma
 5. Mrs. Rani Sharma
 6. Mrs. Aruna Sharma
 7. Mrs. Chandravati, R/o A-309, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ramesh Chander Chopra, E-37, Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Two and a half storeyed property bearing No. A-309, Defence Colony, New Delhi, measuring 224 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-VII
 Aggarwal House
 4/14-A, Asaf Ali Road
 New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Eastern Decorate (Delhi) Pvt. Ltd.,
through its Director Manjit Singh,
(Transferor)

(2) Kailash Rani Kalra,
Harjot Singh and
Sh. Manjit Singh,
P-8/25, Krishna Nagar,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/5-86/649.—Whereas, I,
V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. E-286 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi in May 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds
the apparent consideration therefore by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the instrument of transfer with
the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Built property No. 286, in block E, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/5-86/2.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-253 situated at Greater Kailash Part-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Pankaj Pawha
S/o Sh. S. K. Pawha
R/o M-102, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Brig. M. L. Gaind,
S/o Sh. Lal Chand Gaind and
2. Dr. (Mrs.) Banceta Gaind
W/o Brig. M. L. Gaind,
R/o GF, S-253 Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor Flat of property No. S-253 Greater Kailash Part-I, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Bittoni N. G. Thorvaldsen,
64, Golf Links,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Duncans Agro Industries Ltd.,
Duncan House,
31 Netaji Subhas Road,
Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/5-86/624.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, Prithvi Raj Road situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1. Prithviraj Road, New Delhi, admeasuring 34514 sq. feet.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Satinder Singh
C/o C-211, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Nand Lal Juneja,
Dinesh Kumar Juneja and
Rakesh Kumar Juneja,
R/o A-1/71 Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/5-86/625.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-255 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

E-255, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/5-86/616.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-282 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

14—456GI/86

(1) 1. Smt. Gunwanti K. Bhamhani
W/o Late Sh. Kishan Mulohand Bhamhani
2. Sunit Bhamhani
3. Anil Bhamhani
1-18, Kailash Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. S. Peter Satwant Singh
2. Sardarni Sarparveen Kaur
3. S. Dhanwant Singh, HUF
4. S. Harwant Singh, HUF
5. S. Peter Satwant Singh, HUF
R/o S-435, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S-282, measuring 206 $\frac{1}{2}$ sq. yds., Greater Kailash-I, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Sumitra Aggarwal
C-48A, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Anuj Maglani and others
162, 16th floor,
Kshitij Building,
Nepean Sea Road,
Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC4Acq.VII/SR-II/5-86/615.—Whereas, I,
V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. C-48-A situated at Greater Kailash-I, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on May, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

C-48A, Greater Kailash-I, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/5-86/613.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-274 situated at Greater Kailash-II (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Usha Sachdev through C. A. Sachdev, through Dr. C. A. Sachdev, father and Smt. Sudha Gogia 3-Darva Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ambiance Constructions Pvt. Ltd. 136, SFS, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot S. 274 measuring 319 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Brig. M. L. Gajind
S-253, Greater Gailash Part-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Asha Dua
2. Sh. Krishan Lal Dua
C-219, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/5-86/653.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. C-219 situated at Defence Colony, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on May, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing No. C-219, Defence Colony, New Delhi, measuring 325 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (17 of 1957).

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/5-86/644.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot M-177 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Prithvi Raj Kohli
360, Chandiwali Gali,
Paharganj,
New Delhi.
(Transferor)

(2) Sh. C. S. Jain
through attorney Sh. Rakesh Jain
S-150, Greater Kailash-II,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(i) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. M-177, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 400 sq. yds.

(ii) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

Now Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/5-86/1.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-470 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) 1. Sh. Ranbir Singh Chahal
2. Master Gurpreet Singh Chahal (minor)
3. Master Gurtej Singh Chahal
both through father & natural guardian
Sh. Ranbir Singh Chahal
S/470, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Dharam Pal Gupta
2. Sh. Pradeep Y. Gupta
3. Dr. (Mrs.) Saroj Gupta
Sh. Dharam Pal Gupta
S/470, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S/470, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 550 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 13-1-1987

Seal :

FORMS ITNS

(1) Bhanot Properties and Industries Ltd.,
102-103, Raja House,
30-31, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Rahul Gupta and
Mr. Raj Nath Gupta,
A-415, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. JAC/Acq/VII/37EE/5-86/3137.—Whereas, I,
V. K. MANGOTRA,
Income-tax Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 201 Plot No. 1 situated at Greater Kailash-I,
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the registering Officer
at I.T. Act, 1961 JAC Range-I, New Delhi on May 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 201 having approx. area of 500 sq. ft. at Bhanot
Corner, Plot No. 1 Pamposh Enclave, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Bhanot Properties and Industries Ltd.,
102-103, Raja House,
30-31, Nehru Place,
New Delhi.

Transferor(s)

(2) Rahul Gupta and
Mr. Raj Nath Gupta,
A-415, Defence Colony,
New Delhi.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/5-86/3135.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101 situated at Bhanot Corner, Pamposh Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 101 having approx. area of 500 sq. ft. at Bhanot Corner, Plot No. 1, G.K.-I, Pamposh Enclave, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref No. IAC/Acq. VII/37EE/5-86/3047.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. P-1 situated at 6, Aurangzeb Road, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—456GI/86

(1) Ansal Properties & Industries P. Ltd.,
115, Ansal Bhavan,
16, K. G. Marg,
New Delhi.

(2) Mac Investment Ltd.,
222 Maker Chamber IV
5th floor, Narman Point,
Bombay.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-1, in 6, Aurangzeb Road, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/5-86/3045.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P-2, Aurengzeb Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ansal Properties & Industries P. Ltd.,
115, Ansal Bhavan,
16, K. G. Marg,
New Delhi.

(2) Jagdambi Investment & Trading Co. Ltd.,
Maker Chamber IV, 5th floor,
222, Nariman Point,
Bombay.

Transferor(s)

Transferee(s)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-2 in 6-Aurangzeb Road, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/5-86/3043.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. P-101 situated at 6-Aurengzeb Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Ansal Properties & Industries P. Ltd.,
115, Ansal Bhavan,
16, K. G. Marg,
New Delhi.

Transferor(s)

(2) Kankhal Investment & Trading Co.
Maker Changer IV
5th floor, 222, Nariman Point,
Bombay.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-101 in 6-Aurengzeb Road, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE. 5-86/3044.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "Act") in force in the Union of India, has been transferred in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-301 situated at 6-Aurengzeb Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Ansal Properties & Industries P. Ltd.,
115, Ansal Bhavan,
16, K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Nkhi Investment Co. Ltd.,
222, Makers Chamber IV,
5th floor, Nariman Point,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-301 in 6-Aurengzeb Road, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ansad Properties & Industries Pvt. Ltd.
115-Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg,
New Delhi.
(Transferor)

(2) Pardeep Sandeep Trading & Investment Pvt. Ltd.
24 New Marino Lines, Bombay.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4-14-A, ASAF ALI ROAD.
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.-VII/37EE/5-86/3042.—Whereas, I,
V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.

Flat No. A-202, situated at 6-Aurangzeb Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer
under I.T. Act, 1961, Range I, New Delhi
on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. A-202 in 6-Aurangzeb Road, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Inder Pahari,
5/5 Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Pearl Apartments Ltd.
204 Rohit House Tolstoy Marg
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/5-86/3101.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3-A, situated at Rohit House, Tolstoy Marg, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the registering Officer under I.T. Act, 1961, Range I, New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 3-A on 5th floor in Rohit House Tolstoy Marg, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. K. Dar
72, Owners Court
6, May Fair Road, Calcutta.

(Transferee)

(2) M/s G. Kumar HUF
R-866, New Rajinder Nagar
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFAZ ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EF/5-86/3144 Whereas I,
V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 312, situated at 7-Tolstoy Marg, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer
under I.T. Act, 1961, Range I, New Delhi
on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 312 Parkash Deep, 7 Tolstoy Marg, New Delhi
and car parking MB-17.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Usha Khanna
N-115A Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Shashi Bhushan Gupta
B-26, Kailash Colony, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/5-86/3097.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. N-115-A situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer under I.T. Act, 1961, Range I, New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 which ought to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Ground floor of N-115A, Greater Kailash-I, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Allied Construction Co.
26-A Ring Road, Lajpat Nagar-IV, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Umesh Luthra & Daisy Luthra
W-6, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/5-86/3065.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat D-I situated at W-6 Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer under I.T. Act, 1961, Range I, New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat D-1 (first floor) W-6 Greater Kailash-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—456GI/86

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII,
Delhi/New Delhi

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IACAcq.VII/37EE/5-86/3094, Whereas I,
V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. W-113 situated Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the registering Officer
at I. T. Act, 1961 IAC Range I New Delhi
on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(v) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri Hari Ram Lamba
7-William Court, High Field Hill
upper Norwood, London S. E. 19.

(Transferor)

(2) Kailash Apartments Pvt. Ltd.
Ch. Harpal Singh & others
2-Tilak Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1000 sq. yds. situated at W-113,
Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Delhi/New Delhi

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Malhan Builders
E-588, Greater Kailash-II,
New Delhi

(Transferor)

(2) Miss Kumud Setia,
S-220, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/5-86 3123.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-36, situated at Greater Kailash-I Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi in May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Basement of M-36 Greater Kailash-II market, New Delhi total plot area 195 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Malhan Builders
E-588, Greater Kailash-II,
New Delhi,
through its partners.

(Transferor)

(2) Kanika Exports,
through its sole proprietor
Mrs. Swaran Setia,
S-220, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/5-86/3093.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. M-36 situated at Greater Kailash-I Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 IAC Acq., New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

M-36, Greater Kailash-II Market, New Delhi Mezzanine cum Loft floor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Santosh Dhamija &
D-21 Nizamuddin West,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Tapati Siddiqui,
C/o Nai Duniya
2, Nizamuddin West Market,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1987

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/5-86/171.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. D-21 situated at Nizamuddin West, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 IAC Range-I, New Delhi in May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

D-21, Nizamuddin West, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sudhir Kumar Arora,
R/o 110-Baird Road,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1987

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/5-86/592/6.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 110-B, on plot No. 3, Block-90 situated at Baird Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 IAC Acq. Range-III, New Delhi in May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri R.P. Puri (HUF),
B-49, G.K.I, N. Delhi,
B. S. Puri (HUF)
A-1/28, Safdarjung Development Area,
New Delhi.
Miss Nitapuri
R/o 84, Malcha Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. 110-B, on Plot No. 3, Block No. 90, mg. 2236 sq. ft. Baird Road, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. L. Dhupar,
B-223A, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sri Ram Maheshwari and others,
D-II/6, I.I.P.A. Indraprastha Estate,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/5-86/9.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No 156, Golf Link situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 IAC Acq. Range-III, New Delhi in May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property No. 156, Golf Link, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Satazo Trust
18, Ring Road,
Lajpat Nagar,
New Delhi-24.

(Transferor)

(2) Hindustan Aluminium Corp. Ltd.
Regd. Office Century Bhawan,
Dr. Annie Besant Road,
Bombay-25.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/5-86/25.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Mg. 540 sq. ft. on 3rd floor, World Trade Centre, situated at Barakhamba Lane, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 IAC Acq, New Delhi in May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Measuring 540 sq. ft. on 3rd floor, World Trade Centre, Barakhamba Lane, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1987

Ref. No. IAC/Acq-III/37ER/5-86/26.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Mg. 540 sq. ft. on 3rd floor, World Trade Centre, situated at Barakhamba Lane, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 IAC Acq. Range-III, New Delhi on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Satazo Trust
18, King Road,
Lajpat Nagar,
New Delhi-24.

(2) M/s. Gwalior Rayon Silk Mfg. (Wvo) C. Ltd.,
Regd. Office P.O. Birlagram,
Nagda (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Measuring 540 sq. ft. on 3rd floor World Trade Centre, Barakhamba Lane, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17—456GI/86

Date : 9-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Chandra Pal
A-124, Pandara Road..
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s ABSE Properties (P) Ltd.
Kumrikhali, P.O. Narendrapur,
Distt. 24, Parganas, West Bengal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi the 9th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-86/28.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No] 196, Golf Link, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer in May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 196, Golf Links, New Delhi, GF.-1686 sft, FF.-1686 sft, Barsati-1422 sft.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated 9-1-1987
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Universal Builders & Contractors,
28, Barukhambha Road, New Delhi.
(Transferor)

(2) Mr. Diwesh Chandra Khulba,
407/27, Saraswati House,
Nehru Place, New Delhi-19.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi the 9th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/5-86/29.—
Whereas, I,
ASHOK KACKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301 'A' Type Sujan Singh Park (South) situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer Range-III, New Delhi on May 1986 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 'A' Type in Praveen Apartments, at Sujan Singh Park (South) New Delhi, (1483 sq. ft.).

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 9-1-1987
Seal:

FORM ITNS—

(1) Skipper Sales (P) Ltd.,
22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Golden Polyester
Industries (P) Ltd.,
2527/VIII, Bazar Sita Ram, Delhi-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi the 9th January 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/5-36/30.—

Whereas, I,

ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1010 at 22, B. K. Road,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961

IAC, Acq. Range-III, New Delhi

on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1010 at 22 Barakhamba Road, New Delhi-1, Area of flat 760 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 9-1-1987
Seal:

FORM ITNS

(1) Skipper Sales (P) Ltd.,
22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Spring Valley Finance &
2527/VIII, Bazar Sita Ram, Delhi-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/5-86/32.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1001 & 1002 at 22, Barakhamba Road, New Delhi situated at New Delhi and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 IAC, Acq. Range-III, New Delhi on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1001 & 1002 at 22, Barakhamba Road, New Delhi
Area of flat 1300 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 9-1-1987
Seal:

FORM ITNS

(1) Skipper Sales (P) Ltd.,
22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1987

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/5-86/33.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1011 at 22, B. K. Road.,
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961
IAC, Acq. Range-III, New Delhi
on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s. Golden Cylinders (P) Ltd.,
2527/VIII, Bazar Sita Ram, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1011, at 22, Barakhamba Road, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1987
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1987

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/5-86/34.—Whereas, I, **ASHOK KACKER**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Mg. 450 sq. ft. on 3rd floor, World Trade Centre, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 IAC Acq. Range-III, New Delhi

on May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) **Satazo Trust,**
18, Ring Road, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) **The Indian Rayon Corp., Ltd.**
Regd. Office, Junagadh-Varavel Road,
Varawati-362266 (Gujarat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mg. 540 sq. ft. on 3rd floor World Trade Centre, Barakhamba Lane, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1987
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
MADURAI-625002

Madurai-625002, the 6th January 1987

Ref. No. 1/May/86.—Whereas, I,
A. K. TALAPATRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 51/4B situated at Sivaganga (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Sivaganga (Doc. No. 333/86) on May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri MR. RM. MR. RM. Ramanathan Chettiar, 37, Murugappa Chettiar Street, Natarajapuram. (Transferor)

(2) Shri K. Arul & others, 341, Sannadhi Street, Kalayarkoil. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

vacant Site 1.72 acres.

A. K. TALAPATRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-1-1987
Seal: